डोरी के खेल
अरविन्द गुप्ता

सृजनात्मक शिक्षा

डोरी के खेल

संकलन एवं अनुवाद

अरविन्द गुप्ता

चित्रांकन

अविनाश देशपांडे

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया

समर्पण

जिमी जौली
ने पहली बार मुझे डोरी के खेलों में उलझाया।
यह पुस्तक उन्हीं की याद में समर्पित है।

विषय-सूची

प्रस्तावना

डोरी के कई उपयोग हैं। हम डोरी से पार्सल बांधते हैं और उससे थैले और जाल बुनते हैं। हरेक इंसान को बांधने के लिए डोरी या किसी अन्य चीज की जरूरत पड़ती है। यह 'अन्य चीज' दुनिया के भिन्न हिस्सों में अलग-अलग रूप ले सकती है। एस्कीमो सील मछली की चमड़ी की पतली पट्टियों से अपनी बर्फगाड़ी (स्लेज) और कुल्हाड़ी के हत्थे को बांधते हैं। स्थानीय लोग बरसों से पौधे के रेशों को बांटकर डोरी या रस्सी बनाते आए हैं। हम स्वयं भी इस प्रकार की डोरी का काफी उपयोग करते हैं। भारत में चीजों को बांधने के लिए सुतली का बड़े पैमाने पर उपयोग होता है। ऑस्ट्रेलिया में कुछ आदिवासी महिलाओं के सिर के लंबे बालों की डोर बनाते हैं, जबकि कुछ अन्य आदिवासी कंगारुओं की नसों के तंतुओं से डोरी बनाते हैं।

सभी लोगों में एक आम आदत होती है—हाथ में जो चीज हो उससे खेलने की। बस में आप आराम से इस नजारे को देख सकते हैं जब लोग अपने टिकट को अलग-अलग तरह से मोड़ते हैं। इसी प्रकार लोग सुतली या डोरी को भी तरह-तरह से मोड़कर उसमें गांठें लगाते हैं।

आप आसानी से इस बात की कल्पना कर सकते हैं कि कुछ आदिवासी एक मछली के जाल की मरम्मत कर रहे हैं। उनमें ये एक आदमी डोरी के एक छल्ले से कुछ बनाकर उससे खेल रहा है और अचानक उसका पड़ोसी आश्चर्यचकित होकर चिल्लाता है, 'वाह! तुमने डोरी से कितना सुंदर घर बनाया है!' उससे प्रेरित होकर कुछ लोगों ने शायद डोरी से उसी प्रकार का घर बनाने की कोशिश भी की हो। शायद इसी तरीके से दुनिया के लगभग 750 डोरी के खेलों का इजाद हुआ होगा।

हम एकदम निश्चित तौर से तो नहीं कह सकते पर दुनिया के सभी डोरी के खेलों का इजाद शायद इसी प्रकार हुआ होगा। आप दुनिया के किसी भी कोने में जाएं—चाहें उत्तरी ध्रुव पर या फिर प्रशांत महासागर के किसी द्वीप पर—सभी जगह डोरी के खेल पाएंगे। एस्कीमो लोगों को सर्दी की लंबी स्याह रातों में काफी समय मिलता होगा, अकसर महीनों का, और खेलते-खेलते वे डोरी के खेलों में काफी माहिर हो गए होंगे। वे आसानी से आपको डोरी से हिरण, भालू और अन्य जानवर, पंछी, नाव आदि बनाकर दिखाएंगे। इसी प्रकार नवाहो और अपाशे (अमरीकी आदिवासी) आपको तंबुओं और छोटे जानवर जैसे, भेड़िये और खरगोश के नमूने बनाकर दिखाएंगे। इस प्रकार विभिन्न नस्लों ने डोरी के अलग-अलग चित्र इजाद किए और सचमुच यह बात एकदम स्वाभाविक भी लगती है कि भला एस्कीमो नारियल के पेड़ का चित्र कैसे बनाते अथवा आस्ट्रेलिया के आदिवासी उत्तरी ध्रुव पर रहने वाले भालू के चित्र कैसे बनाते?

डोरी के खेल बहुत मजेदार होते हैं। उनसे याददाश्त और कल्पनाशक्ति की मशक्कत होती है। इससे हाथ और आंख के बीच का समन्वय भी बढ़ता है। हो सकता है कि आपको डोरी के किसी चित्र के निर्देश बहुत कठिन लगें जबकि उसको बनाना बहुत ही आसान हो! इसलिए अगर आपको पहली बार कुछ मुश्किल महसूस हो तो घबराएं नहीं। आप दुबारा, पहले चरण से शुरू करें। जल्द ही आपको डोरी के नमूने बनाने का अच्छा अंदाज हो जाएगा।

आप डोरी के सरल नमूने से शुरुआत करें। उनका अच्छा अभ्यास करने के बाद ही कठिन नमूनों को बनाएं। यही तरीका सबसे अच्छा होगा। शुरू में आपको सभी चरणों को याद करना होगा। परंतु जल्द ही आपकी उंगलियां उन्हें याद कर लेंगी। इसलिए डोरी के नमूनों को खुद सीखने के बाद आप उन्हें मित्रों को भी सिखाएं। उन्हें भी डोरी के कुछ नए खेल अवश्य आते होंगे, जिन्हें आप उनसे सीख सकते हैं। अगर आप इस प्रकार डोरी का प्रयोग करते रहें, उससे खेलते रहें, तो किसे पता एक दिन आप डोरी का कोई नया नमूना ही खोज निकालें। इसलिए हमेशा एक बात याद रखें—डोरी में गांठ लगाएं और उसे हमेशा अपनी जेब में रखें।

डोरी की शुरुआत

अतीत में लोगों ने डोरी के नमूनों और खेलों को लिपिबद्ध करने का प्रयास किया। इसके लिए उन्होंने डोरी के अंतिम नमूने के चित्र भी बनाए। कुछ लोगों ने तो डोरी के अंतिम नमूनों को गत्ते के टुकड़ों पर चिपकाने की भी कोशिश की। पर इसमें एक दिक्कत आती थी। उससे नमूने का पूरा क्रम समझ में नहीं आता था। इसलिए शुरुआत से सीखने वालों के लिए, हाथ की उंगलियों को चित्र में दिखाए अनुसार 'अंगूठा', 'तर्जनी', 'मध्यमा', 'मुद्रिका' और 'छोटी' का नाम दिया गया है।
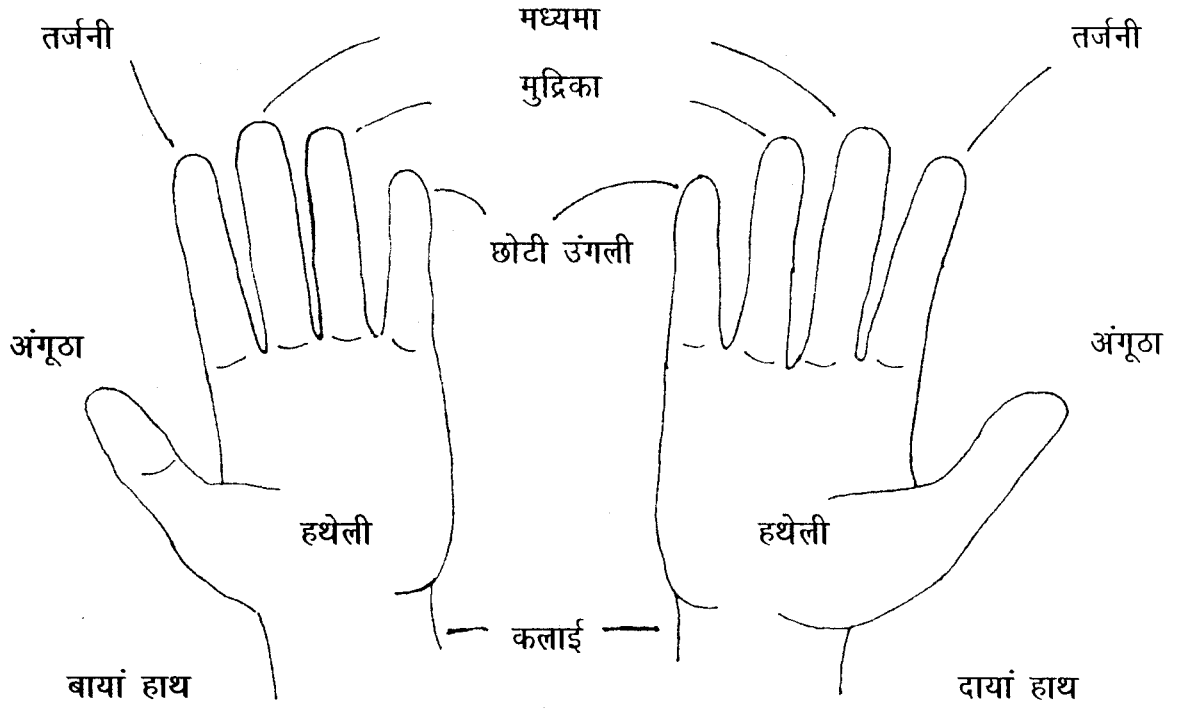
दो छल्लों (लूप) को नवाहो करना

जब आपके अंगूठे में डोर के दो छल्ले होंगे, एक नीचे और दूसरा ऊपर, तब आप 'नवाहो' के तरीके द्वारा अंगूठे के निचले छल्ले को, बाकी छल्लों को बिना हिलाए, ऊपर ला सकते हैं। इसके लिए आप अंगूठा झुकाकर निचले छल्ले को निकालें और फिर से अंगूठे को सीधा करें।
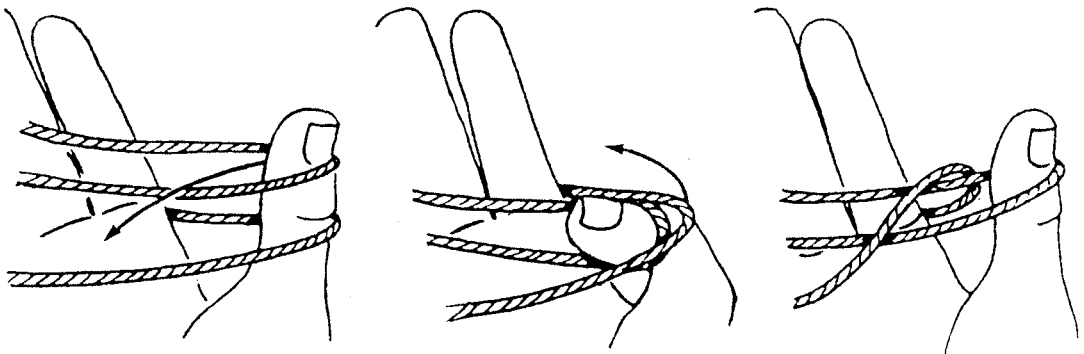
डोरी की लंबाई

डोरी की लंबाई कितनी हो? सामान्यतः दो मीटर लंबी डोरी से एक मीटर लंबा छल्ला बनेगा। और यही लंबाई पर्याप्त होगी। परंतु कुछ लंबे हाथ वाले लोग और कुछ छोटे हाथ वाले बच्चे भी होंगे। इसलिए हरेक व्यक्ति के लिए डोरी की सही लंबाई जानने का एक आसान तरीका है। इसके लिए आप डोरी के एक सिरे को पकड़ें और अपने हाथ को हवा में ऊपर उठाएं और फिर डोरी को जमीन के स्तर पर काटें।

डोरी से छल्ला बनाना
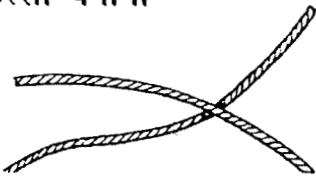
1. डोरी के सिरों को गांठ लगाने के लिए सबसे पहले उसके दाएं सिरे को बाएं सिरे के ऊपर रखें।
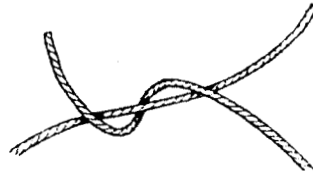
2. फिर गांठ बांधने के लिए दाएं सिरे को बाईं डोरी के नीचे डालें।

3. फिर बाएं सिरे को दाएं सिरे के ऊपर रखें।

4. उसके बाद बाएं सिरे को दाएं के नीचे डालकर गांठ बांधें।

5. अंत में डोरी के सिरों को तराशकर छोटी गांठ बनाएं।

डोरी के सिरों को पिघलाकर जोड़ना

अगर डोरी नायलॉन की बनी हो तो उसके दोनों सिरों को पिघलाकर जोड़ा जा सकता है। इस प्रकार बनी गांठ एकदम छोटी और मजबूत होगी। इसके लिए आप किसी बड़े व्यक्ति की सहायता ले सकते हैं।

1. डोरी के दोनों सिरों को मोमबत्ती की लौ के लगभग एक सेंटीमीटर ऊपर रखें। जल्द ही उसके सिरे पिघलने लगेंगे।
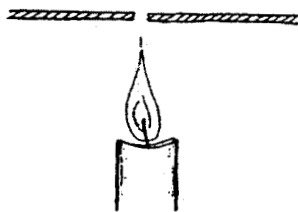
2. जब डोरी के दोनों सिरे पिघलने लगें तो उन्हें आपस में जोड़ दें। फिर पांच सेकेंड तक जोड़ को ठंडा होने दें और उसके बाद जोड़ को उंगलियों से मसलकर चिकना और गोल बनाएं।
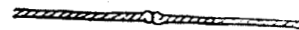
आधार

अधिकांश डोरी के नमूने किसी विशेष आधार से शुरू होते हैं। इसलिए इन आधारों को जानना बहुत जरूरी है।
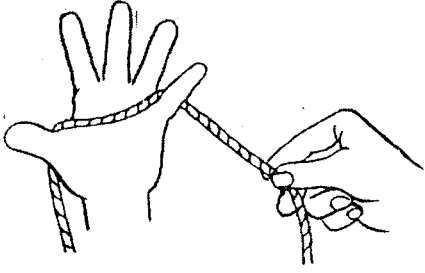
1. डोरी के छल्ले को दाएं हाथ से पकड़कर उसे बाएं हाथ के अंगूठे और छोटी उंगली में डालें।
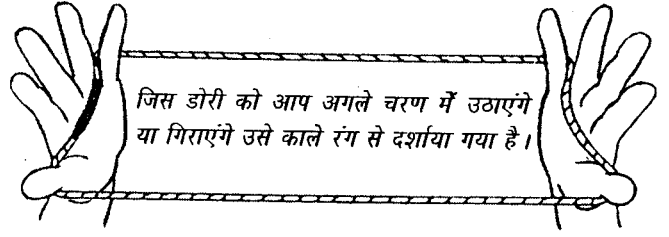
2. इसी क्रम को आप दाएं हाथ के साथ भी दोहराएं। हम इसे 'शुरुआत की स्थिति' या 'स्थिति 1' कहेंगे।
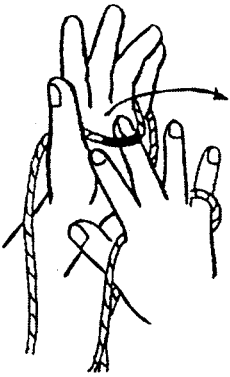
3. फिर अपने दाएं हाथ की मध्यमा उंगली से बाईं हथेली की डोरी को उठाएं और उसे पीछे की ओर खींचें।
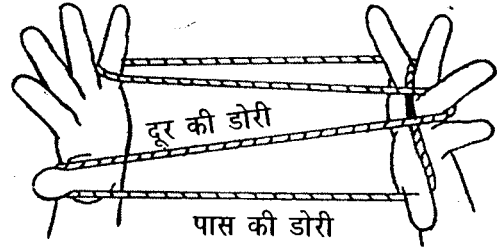
4. अब आपके दोनों हाथ इस स्थिति में होंगे।
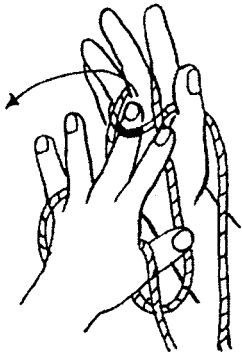
5. अब अपनी बाईं मध्यमा उंगली से दाईं हथेली की डोरी को उठाएं और उसे पीछे की ओर खींचें।
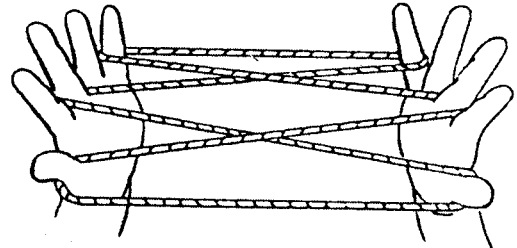
6. इसे 'मध्यमा उंगली का आधार' या 'शुरुआत–1' कहते हैं। यह सबसे आम आधार है।
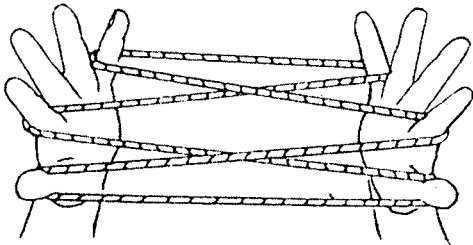
7. मध्यमा की जगह आप दोनों तर्जनी उंगलियों का उपयोग करके 'तर्जनी उंगली का आधार' बना सकते हैं।

अंगूठे का फंदा

यह डोरी का एक सरल खेल है।
इसका अंत भी बहुत मजेदार है!
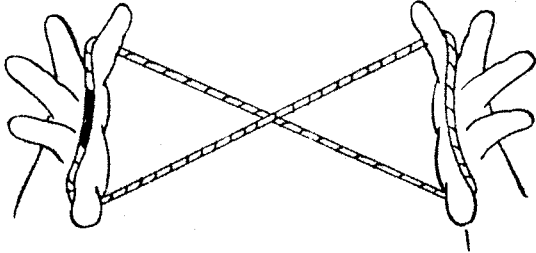
1. चित्र में दिखाए अनुसार डोरी को दोनों हाथों के अंगूठों और छोटी उंगलियों में फंसाएं। छल्ले को बीच में से एक चक्कर घुमाएं, जिससे उसमें एक 'गुणा' का चिह्न बन जाए।
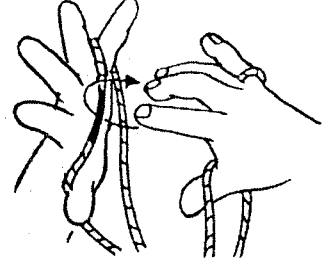
2. अब बाईं हथेली की डोरी को, दाएं हाथ की तर्जनी उंगली से उठाएं। उसी प्रकार दाईं हथेली की डोरी को बाएं हाथ की तर्जनी उंगली से उठाएं।
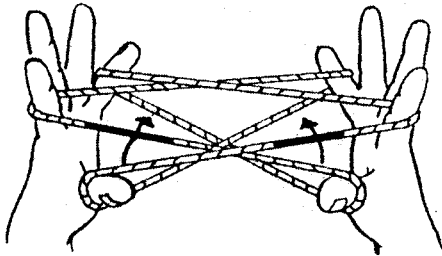
3. चित्र में दिखाए अनुसार अंगूठों को तर्जनी उंगलियों के छल्लों में डालें।
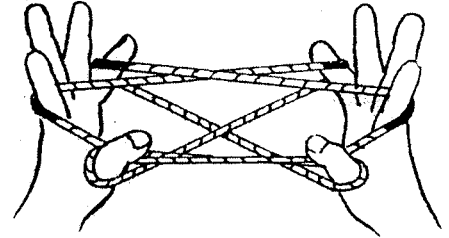
4. फिर डोरी को अपने अंगूठों के नीचे दबाकर रखें और तर्जनी एवं छोटी उंगलियों के छल्लों को छोड़ दें।
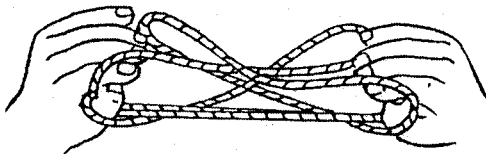
5. उसके बाद दोनों हाथों को अंदर की ओर मोड़ें।
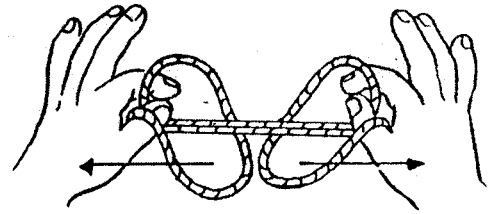
6. फिर अपने हाथों को जितना संभव हो, दूर ले जाएं।
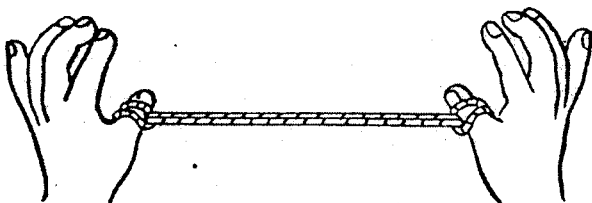
7. अपने दोनों अंगूठों को डोरी के फंदों में फंसा देखकर आप आश्चर्यचकित रह जाएंगे।

बच के निकलना

कैंची में एक डोरी फंसी है। अपने मित्र से डोरी को (बिना काटे) कैंची में से निकालने को कहें।
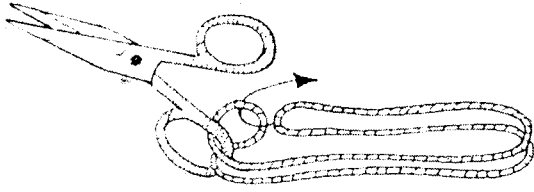
1. डोरी के एक सिरे को कैंची के हैंडिल के एक छेद में डालें। फिर इस छल्ले में से डोरी के दूसरे सिरे को पिरोकर बाहर निकालें।
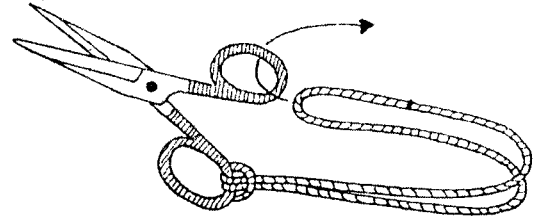
2. फिर डोरी के दूसरे सिरे को कैंची के दूसरे छेद में से बाहर निकालें।

3. अब डोरी के सिरे को पकड़ें और कैंची अपने मित्र को थमाएं। अब मित्र से कहें कि वह डोरी को बिना काटे कैंची में से बाहर निकाले।
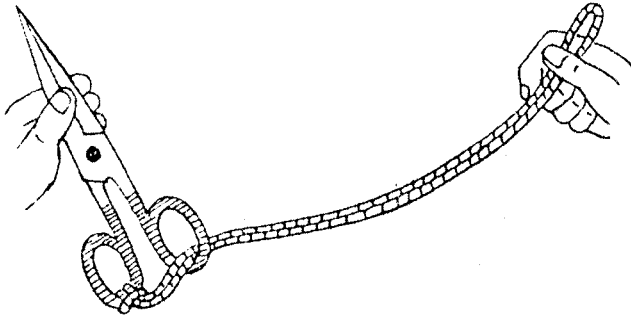
4. इसे करने का एक सरल तरीका है। पहले चित्र 1 में बनाई गई गांठ को थोड़ा ढीला करें और फिर उसके छल्ले को खींचें।
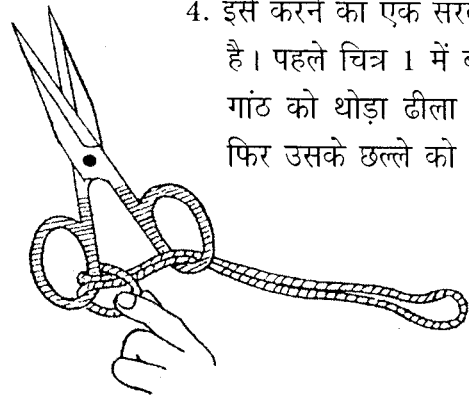
5. फिर उसे कैंची के दूसरे छेद में डालें।
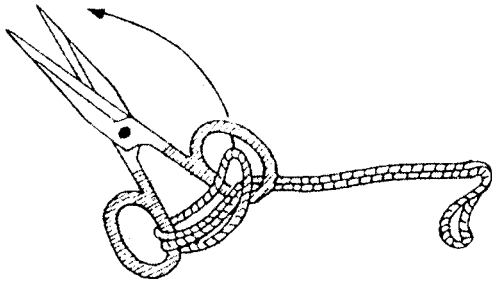
6. इस छल्ले को खींचकर कैंची के ऊपर से निकालें। ऐसा करते समय छल्ले न मुड़ें, इस बात की सावधानी बरतें।
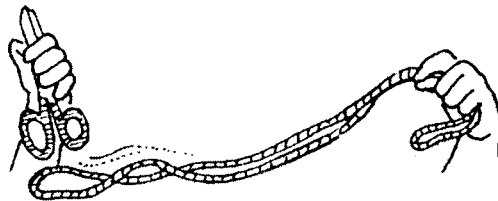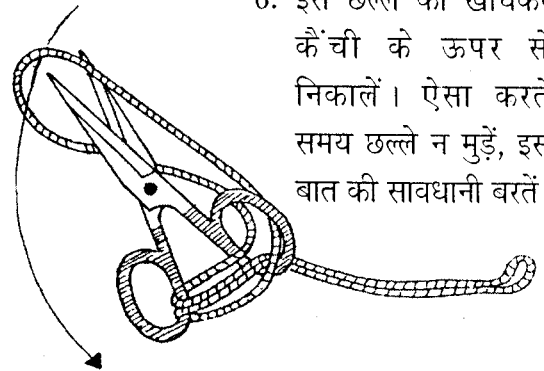
7. अब जब आप डोरी के दूसरे सिरे को खींचेंगे तो डोरी आराम से कैंची में से छूटकर बाहर निकल आएगी।

एक जादुई तरकीब

इस खेल का अंत एकदम जादुई होता है।
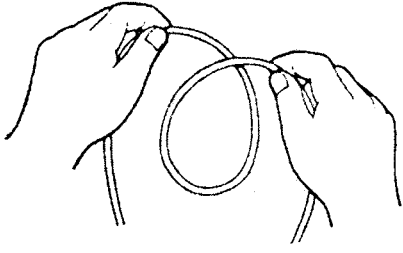
1. डोरी का एक बड़ा छल्ला बनाएं और उसे अपने दोनों हाथों से पकड़ें। फिर दाएं हाथ की डोरी को ऊपर रखकर इस बड़े छल्ले में एक छोटा छल्ला बनाएं।
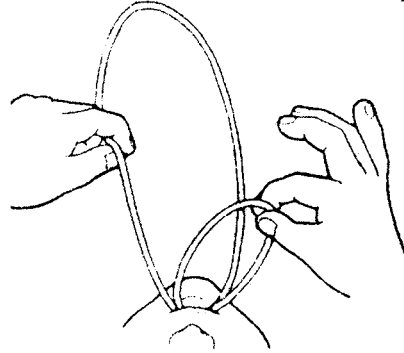
2. छल्लों के ऊपरी सिरे को अपने दांतों से पकड़ें। अपनी दाईं तर्जनी उंगली को, नीचे से छोटे छल्ले में डालें।
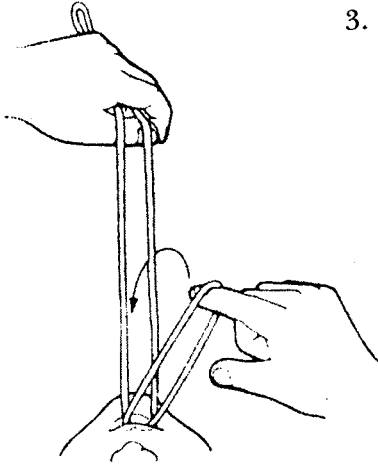
3. अब बड़े छल्ले को बाएं हाथ से पकड़ें और चित्र में दिखाए अनुसार दाईं तर्जनी उंगली को दाईं डोरी के नीचे से बड़े छल्ले में डालें।
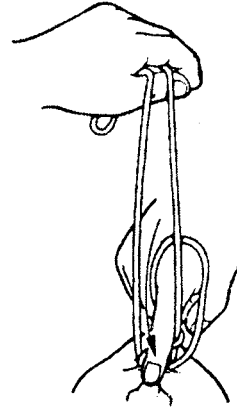
4. फिर अपनी नाक को दाईं तर्जनी उंगली से छुएं।
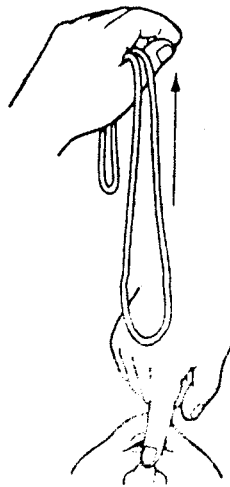
5. अब अपने दांतों से पकड़ी डोरां को छोड़ें। बड़े छल्ले को बाएं हाथ से मुंह से दूर ले जाएं। आप देखेंगे कि डोरी आपकी दाईं उंगली पर से जादुई तरीके से गायब हो जाएगी।

हथकड़ी

डोरी का यह एक बहुत मजेदार खेल है।
इसे मित्रों के साथ खेलने में आपको बहुत मजा आएगा।
इसके लिए आपको डोरी के दो टुकड़े तथा एक मित्र की जरूरत होगी।
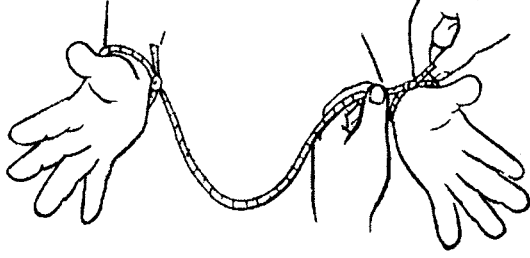
1. एक लंबी डोर के सिरों को अपने मित्र की दोनों कलाइयों पर बांधें।
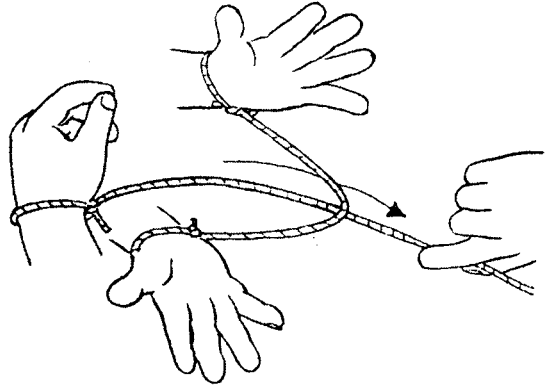
2. फिर अपने मित्र से दूसरी डोरी दोनों कलाइयों पर बांधने को कहें।
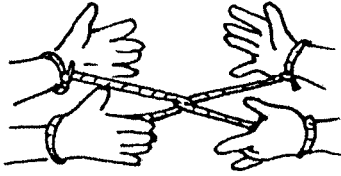
3. इस प्रकार आप अपने मित्र के साथ डोरी से बंध जाएंगे। अब आप दोनों अलग कैसे होंगे?
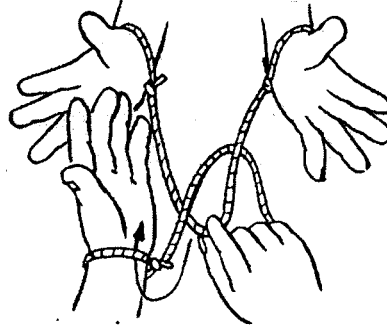
4. जिस डोरी से मित्र बंधा है, उसे आप पकड़ें। उसके छल्ले को अपनी बाईं कलाई में से डालें। छल्ला मुड़े नहीं इस बात का ध्यान रखें।
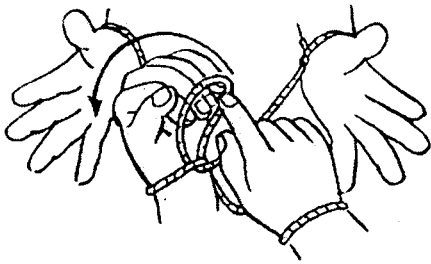
5. अब छल्ले को अपने बाएं हाथ की सारी मुड़ी उंगलियों के ऊपर चढ़ाएं।
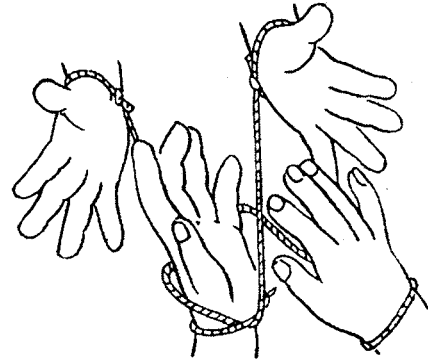
6. फिर बाएं हाथ को सीधा करें जिससे डोरी का छल्ला थोड़ा पीछे सरके।
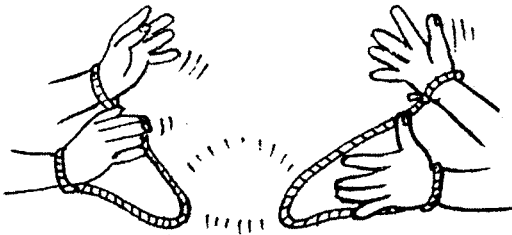
7. अगर अब आप दो कदम पीछे हटेंगे तो आप खुद को अपने मित्र से अलग हुआ पाएंगे।

अंगूठी के अंदर डोरी

अंगूठी के अंदर एक डोरी है। आप डोरी में से अंगूठी को बाहर कैसे निकालेंगे? अगर आपको इसका हल पता न हो तो आपके लिए यह पहेली बहुत मुश्किल साबित हो सकती है।
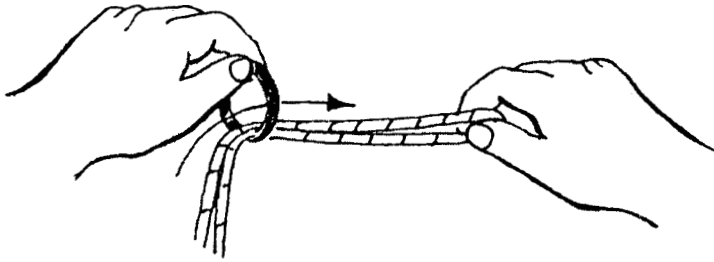
1. डोरी के एक सिरे को अंगूठी के अंदर डालें। फिर डोरी को खींचें जिससे अंगूठी डोरी के बीच में आ जाए।
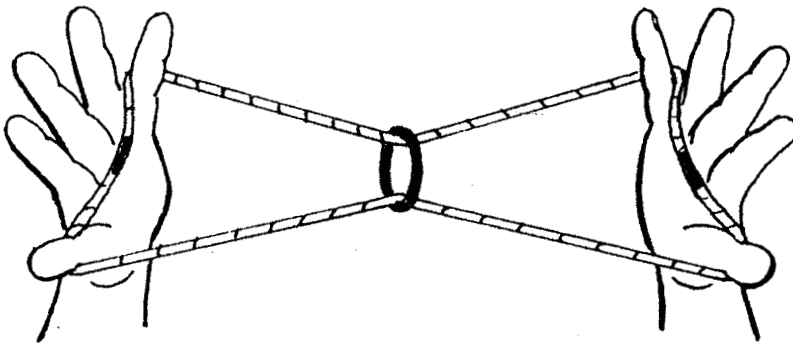
2. फिर चित्र में दिखाए अनुसार डोरी को दोनों हाथों के अंगूठों और छोटी उंगलियों में फंसाएं। इस बात का ध्यान रखें कि डोरी के छल्ले में कोई मोड़ या अलबेट न पड़े।
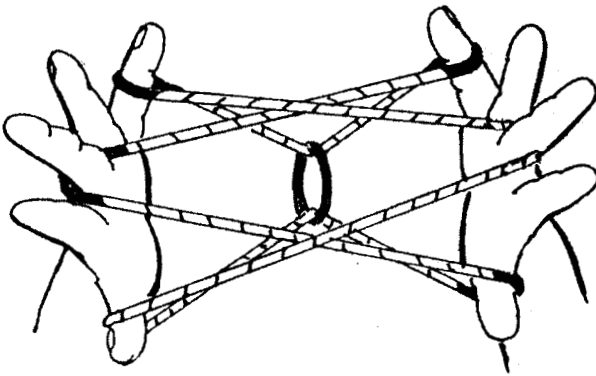
3. उसके बाद बाईं हथेली की डोरी को दाईं मध्यमा से उठाएं और दाईं हथेली की डोरी को बाईं मध्यमा से उठाएं। फिर दोनों छोटी उंगलियों, बाईं मध्यमा और दाएं अंगूठे की डोरी को छोड़ दें।
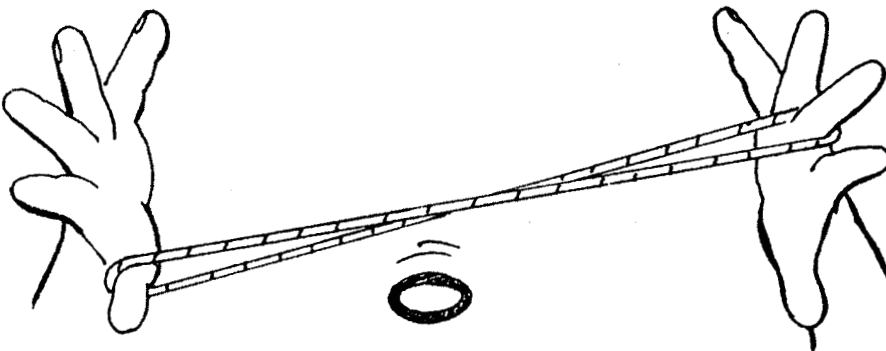
4. दाईं मध्यमा और बाएं अंगूठे के छल्ले न गिरें, इस बात का ध्यान रखें। अब आप जैसे ही दोनों हाथों को एक-दूसरे से दूर ले जाएंगे, वैसे ही अंगूठी डोरी से छूटकर अलग जा गिरेगी।

हाथ का फंदा

पहले आप अपने मित्रों को यह करतब दिखाएं। फिर उनसे उसे दोहराने को कहें। अगर उन्होंने इसे बहुत ध्यान से नहीं देखा होगा तो उन्हें इसे दुबारा करने में बहुत कठिनाई होगी।
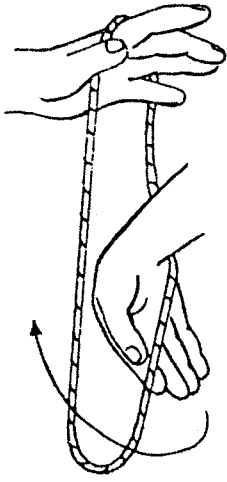
1. आप मित्र के सामने पहले तो डोरी के छल्ले को बाएं हाथ से लटकाएं। दाएं हाथ को नीचे की ओर झुकाकर डोरी के छल्ले में डालें। हथेली को घुमाएं (जैसे कढ़ाई में मलाई पोंछते हैं) और गोल चक्कर लगाकर ऊपर ले जाएं।
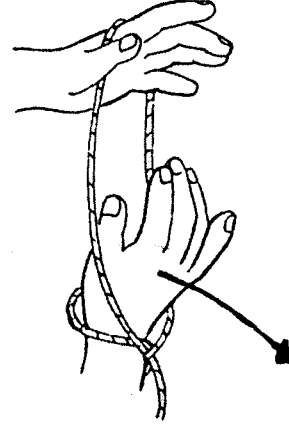
2. फिर डोरी के छल्ले में दाएं हाथ को पीछे से डालें।
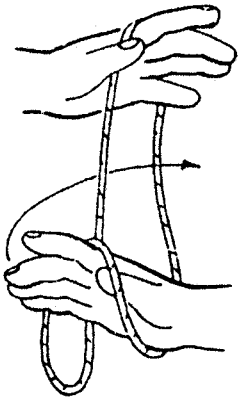
3. अब अपने हाथों को एक-दूसरे से दूर ले जाएं।
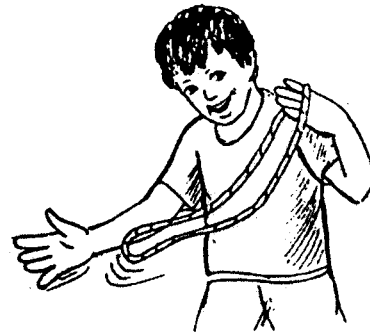
4. आप डोरी को अपने हाथ से मुक्त हुआ पाएंगे।
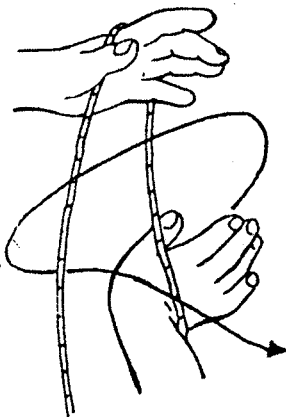
5. अब आप अपने मित्र को डोरी दें और उससे इस करतब को दोहराने को कहें। संभव है कि मित्र हाथ के घुमाने की दिशा में गलती करेगा और वह उसे उलटी दिशा में घुमाएगा।
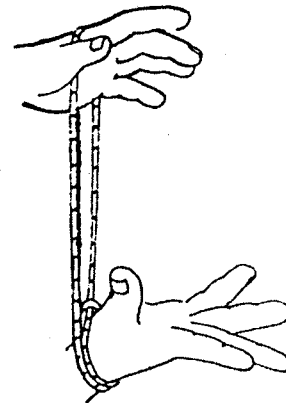
6. और जब वह यह गलती करेगा तो उसका हाथ डोरी के फंदे में फंस जाएगा।

हाथ की सफाई

इस डोरी के खेल को दिखाने के लिए आपको एक मित्र की आवश्यकता होगी।
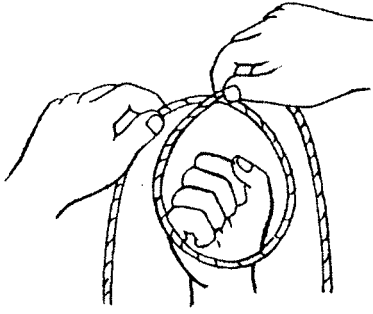
1. डोरी के एक छल्ले को दोनों हाथों में पकड़ें। दाएं हाथ की डोरी को ऊपर रखकर छल्ला बनाएं। इस डोरी के छल्ले को अपने मित्र की कलाई में डालें।
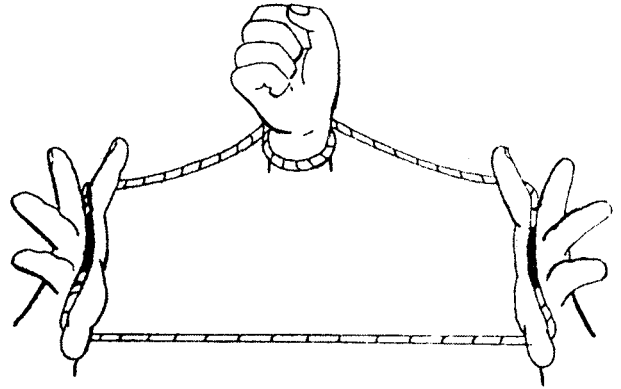
2. उसके बाद 'शुरुआत' की स्थिति' बनाएं।
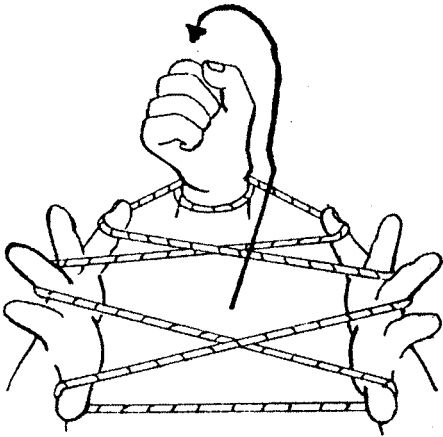
3. फिर 'मध्यम उंगली वाला आधार' बनाएं। किसी भी डोरी को बिना छोड़े 'मध्यम उंगली वाले आधार' को मित्र की मुट्ठी में डालें।
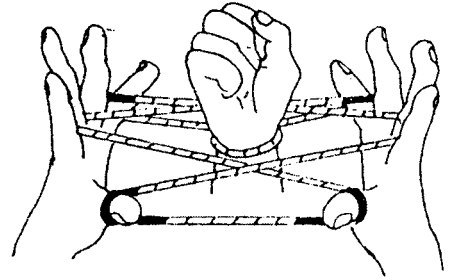
4. अंत में आपका नमूना देखने में कुछ ऐसा नजर आएगा। अब दोनों अंगूठों और छोटी उंगलियों के छल्ले छोड़ें।
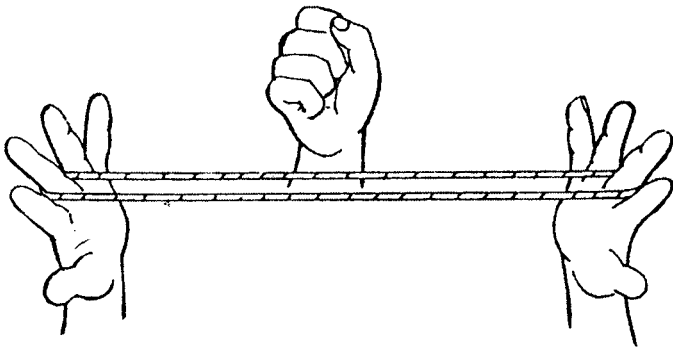
5. अब अगर आप अपने दोनों हाथों को एक-दूसरे से दूर करेंगे तो मित्र का हाथ जादुई तरीके से डोरी के फंदे में से बाहर निकल आएगा।

झपकती आंख

यह डोरी का खेल हवाई द्वीप में प्रचलित है। थोड़ी-सी कल्पना से आपको इस खेल में डोरी की बनी आंख खुलती और बंद होती नजर आएगी।
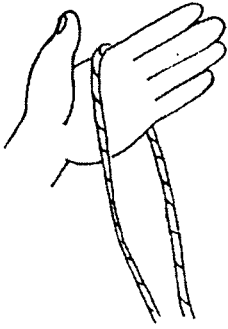
1. डोरी के छल्ले को बाएं हाथ की केवल उंगलियों पर लटकाएं, अंगूठे पर नहीं।
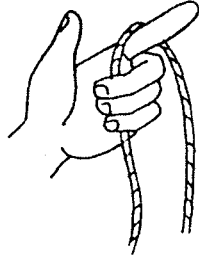
2. फिर बाईं मध्यमा, मुद्रिका और छोटी उंगलियों से हथेली पर लटकती डोरी को ढकें। अब केवल बाईं तर्जनी उंगली ही खुली होगी।
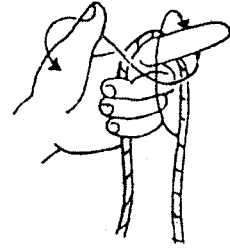
3. दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से डोरी के लटकते छल्ले को दुबारा बाईं तर्जनी उंगली पर लपेटें और फिर उसे ऊपर लाकर अंगूठे से लटकने दें।
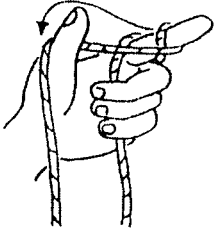
4. दाए अंगूठे और तर्जनी उंगली से बाईं तर्जनी उंगली के छल्ले को खींचकर बाएं अंगूठे पर लाएं। ऐसा करते समय छल्ले को मुड़ने नहीं दें।
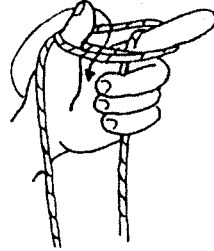
5. अब लटकते छल्ले की बाईं डोरी पकड़ें और उसे तर्जनी और अंगूठे की डोरी के ऊपर उठाएं। इस डोरी को अंगूठे और तर्जनी उंगली के बीच लटकने दें।
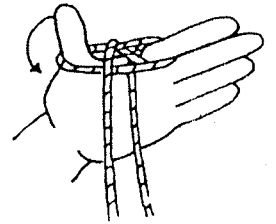
6. अब लटकते छल्ले की दूसरी डोर को उठाएं और उसे अंगूठे से लटकने दें।
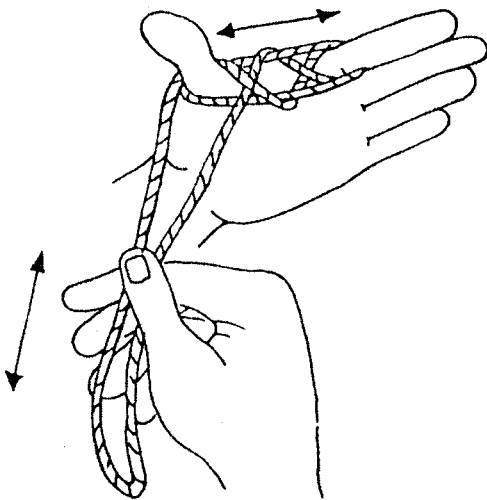
7. इस स्थिति में लटकते छल्ले को खींचकर आंख को खोला और बंद किया जा सकता है। ऐसा करते समय जब अंगूठा और तर्जनी उंगली दोनों पास-पास आते हैं तब आंख बंद होती है। आंख खोलने के लिए आपको अंगूठे और तर्जनी उंगली को एक-दूसरे से दूर ले जाना होगा और साथ-साथ लटकती डोर में ढील भी देनी होगी।

कप-प्लेट

यह डोरी का एक सरल नमूना है।
जापान में इसे मदिरा का प्याला यानी 'साकी कप' कहा जाता है। नमूना उलटा करने पर वह घर जैसा दिखता है।
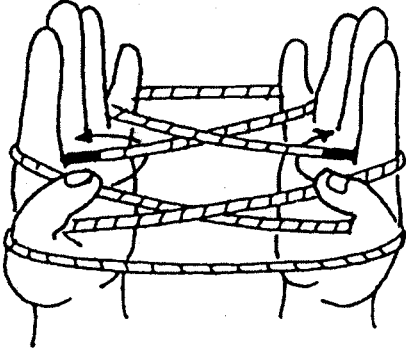
1. इसके लिए 'तर्जनी उंगली वाले आधार' से शुरू करें। यदि आप चाहें तो इस नमूने को बनाने के लिए डोरी के छल्ले को दोहरा (डबल) भी कर सकते हैं।
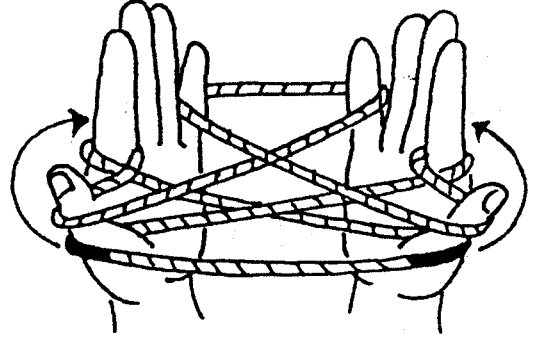
2. दोनों अंगूठों से तर्जनी उंगलियों की दूर स्थित डोरों को नीचे से उठाएं और अपनी ओर लाएं। जब अंगूठे दुबारा अपनी पूर्व स्थिति में वापिस आएंगे तो हरेक अंगूठे में डोरी के दो छल्ले होंगे।
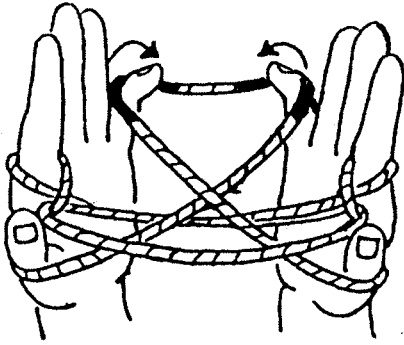
3. अब बाएं अंगूठे के निचले छल्ले को दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से उठाएं और छोड़ें। इसी प्रकार, दाएं अंगूठे के निचले छल्ले को भी छोड़ें।
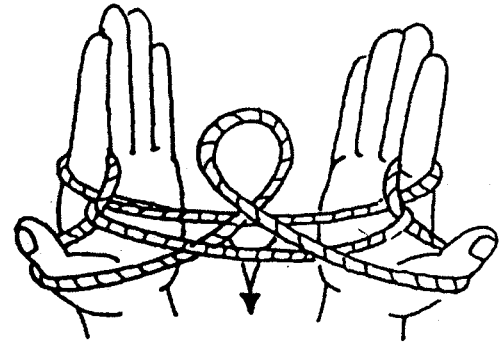
4. इसके बाद छोटी उंगलियों के छल्लों को भी छोड़ दें।
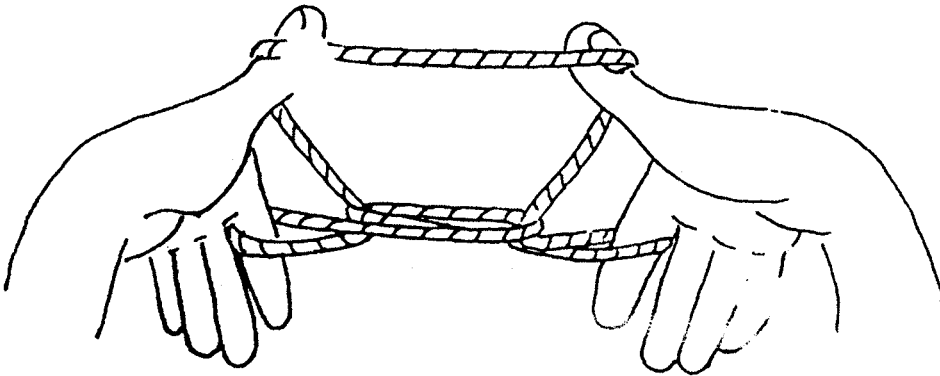
5. अब यदि आप अपने दोनों हाथों को एक-दूसरे से दूर ले जाएंगे और साथ में अंगूठों को ऊपर करेंगे तो आपको डोरियों के बीच एक कप और प्लेट का नमूना दिखाई देगा।

उल्लू की आंखें

उल्लू की आंखें बनाने के लिए आपको पहले कप-प्लेट (पिछला नमूना) बनाना ही होगा। उल्लू की आंखें बनाने के बाद आप उन्हें चश्मे की तरह अपनी आंखों पर रख सकते हैं।
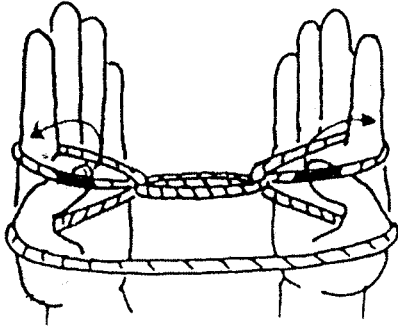
1. पहले कप-प्लेट बनाएं। फिर अंगूठों को तर्जनी उंगलियों वाले छल्लों में डालें। इस प्रकार प्रत्येक अंगूठे पर अब दो छल्ले होंगे।
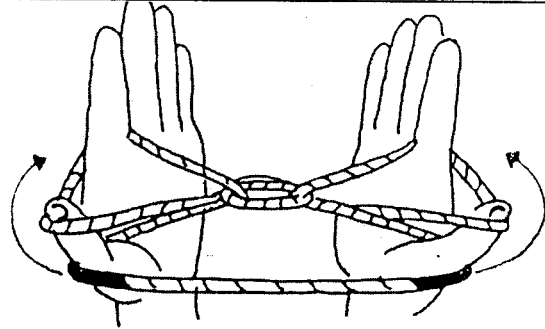
2. दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से बाएं अंगूठे के निचले छल्ले को उठाएं और उसे छोड़ें। इसी प्रकार दाएं अंगूठे के निचले छल्ले को भी छोड़ें।
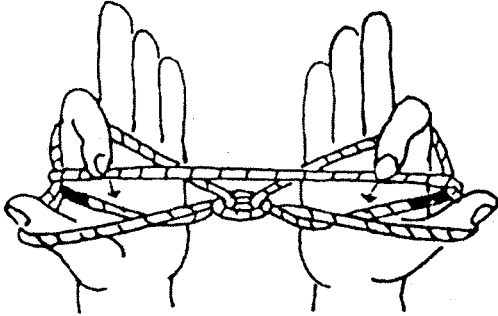
3. चित्र में दिखाए अनुसार तर्जनी उंगलियों को अंगूठों के छल्लों में डालें।
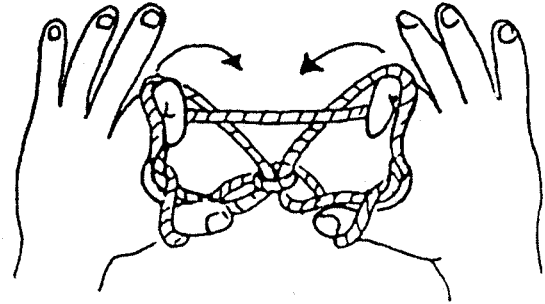
4. अब अपने हाथों को घुमाकर हथेलियों को खुद से दूर करें। आप तर्जनी उंगलियों के छल्लों की परवाह न करें। वे खुद ही तर्जनी उंगलियों से छूट जाएंगे।
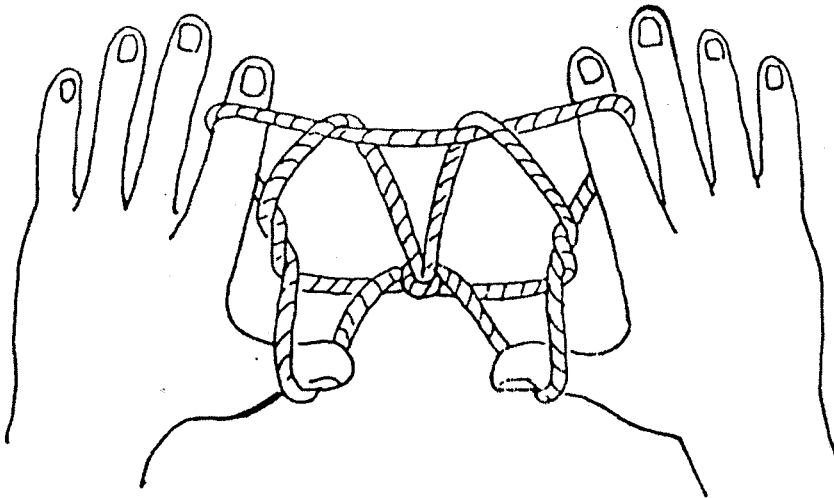
5. आप तर्जनी उंगलियों को सीधा करें और उन्हें एक-दूसरे से दूर ले जाएं। ऐसा करने से डोरी में चश्मे जैसी उल्लू की आंखें दिखेंगी।

आरी

डोरी का यह नमूना दुनिया के कई हिस्सों में पाया जाता है। इस आरी को चलाने के लिए आपको किसी मित्र की सहायता लेनी होगी।
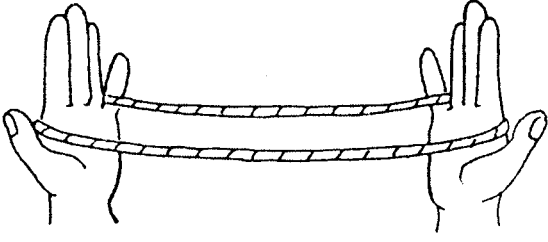
1. दोनों हाथों की तर्जनी, मध्यमा और मुद्रिका उंगलियों में डोरी के छल्ले को फंसाएं।
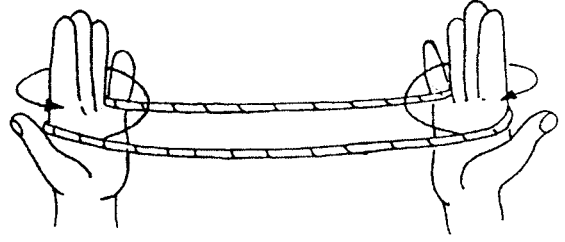
2. दाएं हाथ के अंगूठे और तर्जनी उंगली से पास की डोरी को पकड़ें और उसे बाएं हाथ की उंगलियों पर लपेटें। इसी तरह दाएं हाथ पर भी डोर को लपेटें।
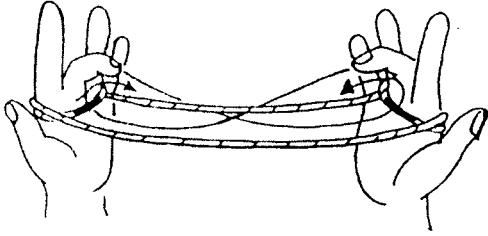
3. अब बाईं मध्यमा से दाईं हथेली की डोरी को उठाएं। इसी तरह दाईं मध्यमा से बाईं हथेली की डोरी को उठाएं।
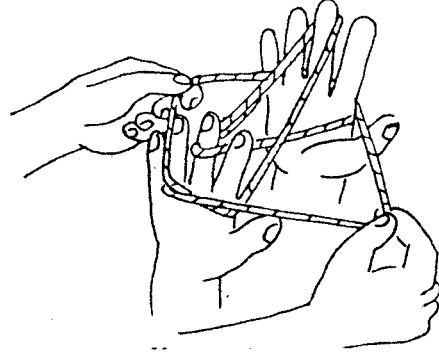
4. अब आपको किसी मित्र की सहायता लेनी होगी। मित्र से उन दोनों लंबी डोरों को पकड़ने को कहें, जो नमूने के निचले भाग में एक हाथ से दूसरे हाथ तक जाती हैं।
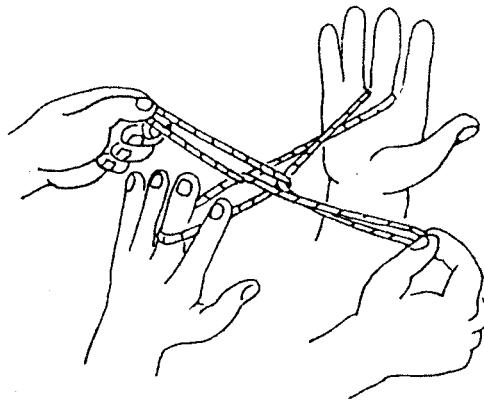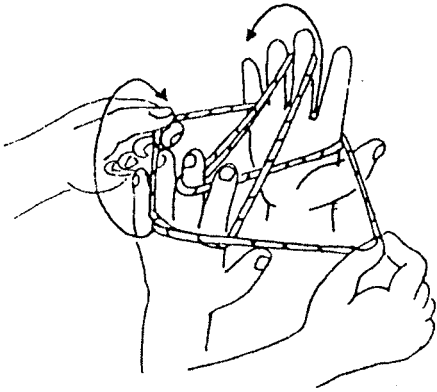
5. अब सभी डोरों को कसकर पकड़ें जिससे कि उनके छल्ले गिरे नहीं। फिर केवल मध्यमा उंगलियों के छल्लों को रखें और बाकी उंगलियों के छल्लों को धीरे-धीरे गिरा दें। मित्र से डोरों को पकड़े रहने को कहें। इसके बाद मित्र और आप बारी-बारी से डोरों को खींचें। अब डोरें किसी आरी द्वारा काटने चलेंगी।

मच्छर या मक्खी

अगर आपको विशेष रूप से मच्छरों या मक्खियों से घृणा हो तो यह नमूना आपको अवश्य पसंद आएगा। यहां आप इन जीव-जंतुओं को बना सकते हैं और फिर उन्हें अपने हाथों से मसल भी सकते हैं।
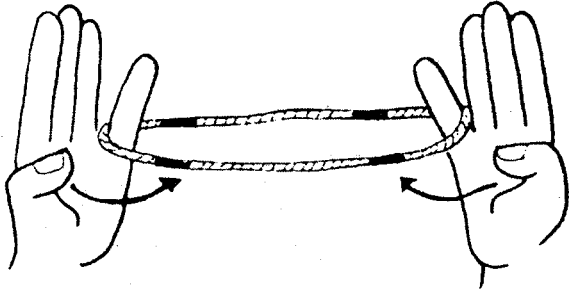
1. डोरी को दोनों हाथों की छोटी उंगलियों में डालें। फिर छोटी उंगलियों के छल्लों को अपने अंगूठों से उठाएं।
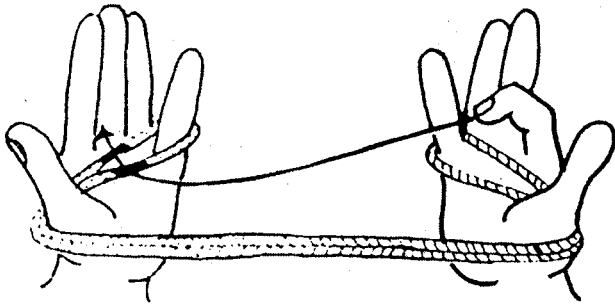
2. बाईं हथेली की दोनों डोरों को दाईं तर्जनी उंगली से उठाएं।
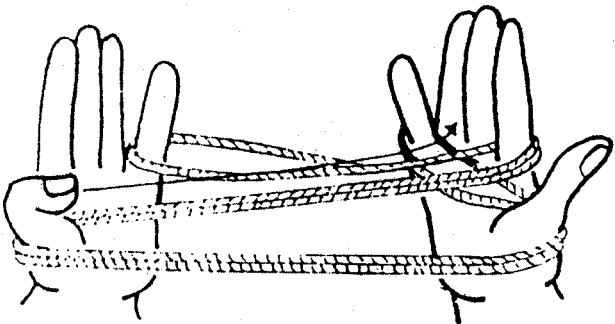
3. फिर बाएं अंगूठे से दाईं हथेली की दोनों डोरों को उठाएं।
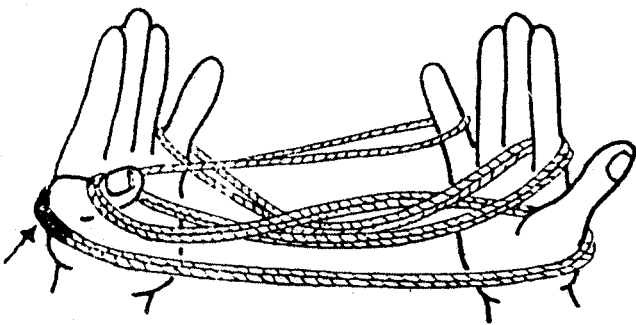
4. अब बाएं अंगूठे के निचले छल्लों को गिरा दें।
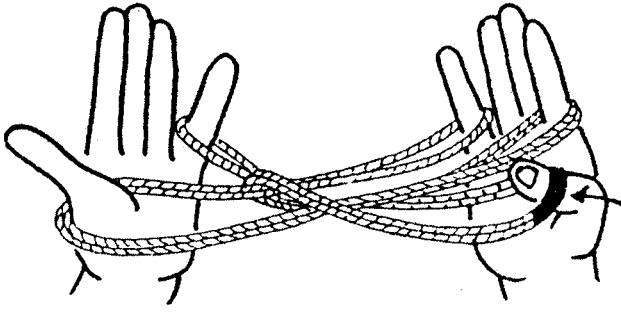
5. दाएं अंगूठे के छल्लों को गिराएं। डोरी को खींचें और हथेलियों को मुंह से दूर रखें।
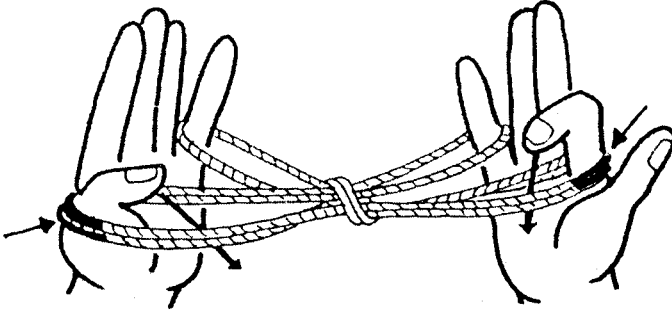
6. अब डोरी को बिना खींचे, दाईं तर्जनी उंगली और बाएं अंगूठे के छल्लों को गिराएं।
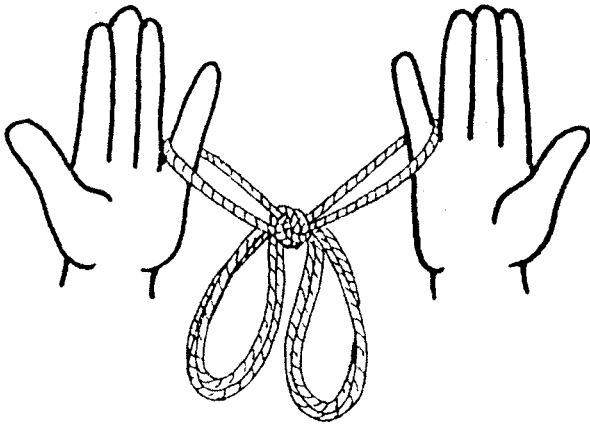
7. इस स्थिति में आप मच्छर को उसके पंखों के साथ देख पाएंगे।
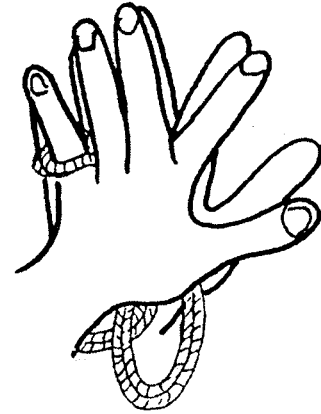
8. अब मजेदार बात होगी। दोनों हथेलियों से मच्छर को 'मारने' के लिए ताली बजाएं।
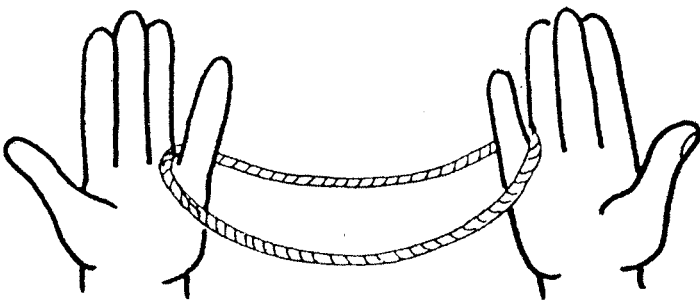
9. उसके बाद दोनों हाथों को जल्दी से, जितना संभव हो, उतना दूर ले जाएं। आप पाएंगे कि मच्छर अब गायब हो चुका होगा।

डोरी द्वारा कहानी

यह कहानी पूरी दुनिया में सुनाई जाती है। भारत में इस कहानी का रूपांतरण कुछ इस प्रकार है : एक किसान पहले अपने खेत में हल जोतता है और फिर बीज बोता है। उसके बाद खेत को पानी से सींचता है। अंत में वह खाद डालता है। अब फसल पककर तैयार हो जाती है। तब एक मोटा-सा चूहा आता है और सारी फसल खा जाता है।
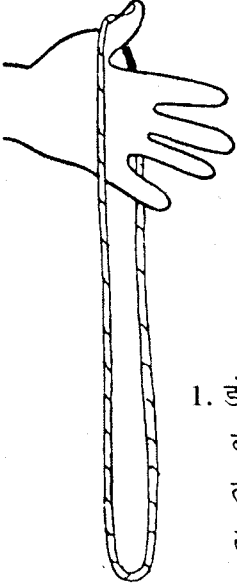
1. डोरी के छल्ले को अपने बाएं हाथ के अंगूठे से लटकने दें। *(किसान खेत चुनता है)।*
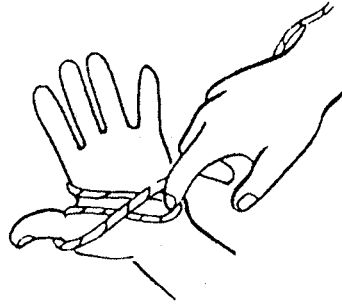
2. दाईं तर्जनी उंगली को बाईं हथेली की डोरी के नीचे डालें और उससे हुक करके बाएं अंगूठे और तर्जनी के बीच की डोरी को खींचें।
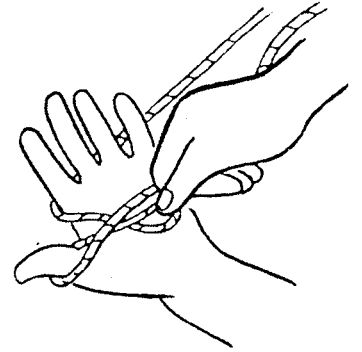
3. छल्ले को दाईं तरफ आधा चक्कर घुमाएं। *(अगर चक्कर उलटी दिशा में हुआ तो खेल बिगड़ जाएगा)।*
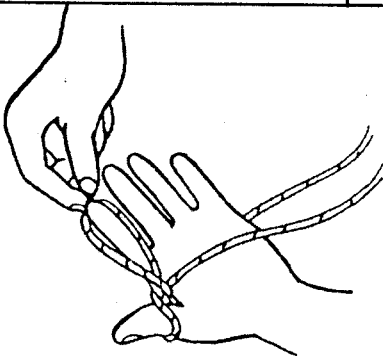
4. इस छोटे छल्ले को बाईं तर्जनी उंगली में डालें। *(किसान खेत में हल जोतता है)।*
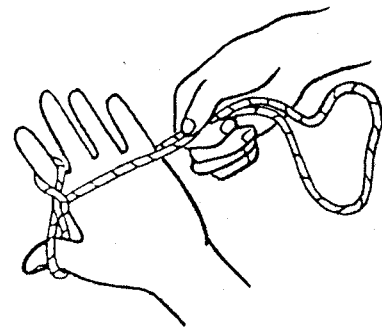
5. अब लटकती हुई डोरों को अपने दाएं हाथ से पकड़ें और उन्हें थोड़ा कसकर खींचें।
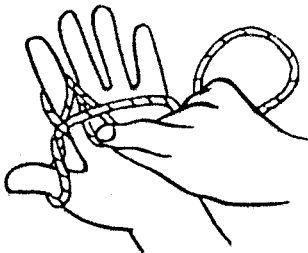
6. दाईं तर्जनी उंगली के 'हुक' से बाईं तर्जनी और मध्यमा के बीच की डोरी को खींचें।
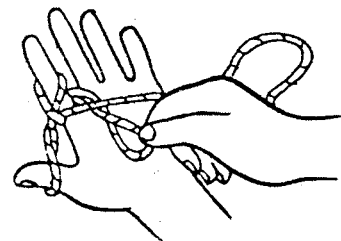
7. उसे बाईं हथेली की डोर के नीचे से खींचें। फिर उस छल्ले को दाईं तरफ आधा चक्कर घुमाएं...
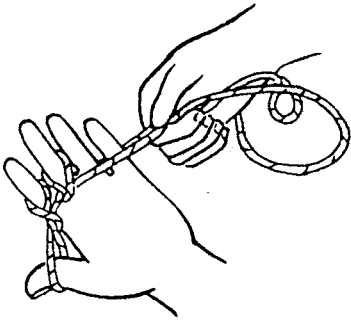
8. और फिर उस छल्ले को बाईं मध्यमा में डाल दें। सभी डोरों को कसें। *(किसान बीज बोता है।)*
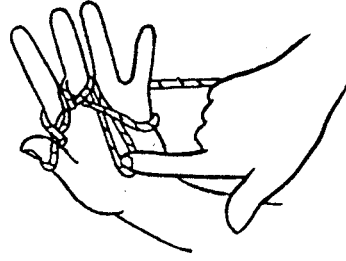
9. दुबारा दाईं तर्जनी के 'हुक' से बाईं मध्यमा और मुद्रिका के बीच की डोर को खींचें।
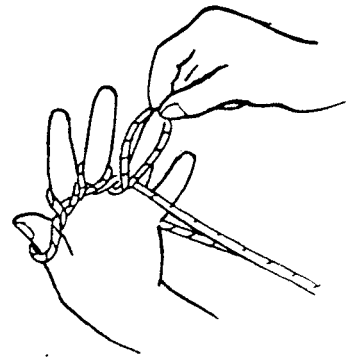
10. इस छल्ले को दाईं तरफ आधा चक्कर घुमाएं और फिर उसे बाईं मुद्रिका में डाल दें। *(किसान खेत को पानी से सींचता है।)*
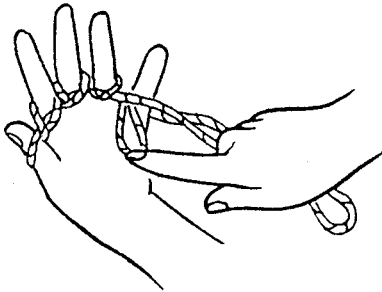
11. अंत में दाईं तर्जनी उंगली के 'हुक' से फिर से बाईं हथेली की डोर के नीचे डालें और उससे मुद्रिका और छोटी उंगली के बीच के छल्ले को बाहर खींचें।
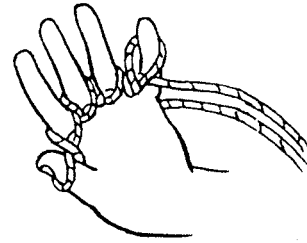
12. इस छल्ले को भी आधा चक्कर दाईं ओर घुमाएं और फिर उसे बाईं छोटी उंगली में डाल दें। *(किसान खेत में खाद डालता है।)*
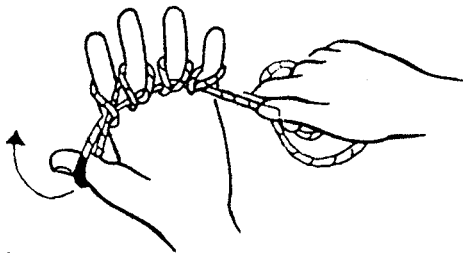
13. नतीजा चित्र में दिखाए अनुसार होगा। *(फसल अब पककर तैयार है।)* अब बाएं अंगूठे के छल्ले को छोड़ें। *(एक मोटा चूहा आता है और बाएं अंगूठे का छल्ला ही वह चूहा है।)*
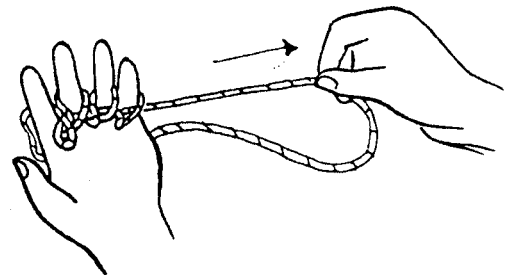
14. अब बाएं हाथ की सामने वाली डोरी को खींचें। आप देखेंगे कि सभी उंगलियों के छल्ले एक के बाद एक करके खुल जाएंगे। *(मोटा चूहा सारी फसल को खा जाता है।)* यहीं पर कहानी समाप्त होती है।

पेड़ पर चढ़ता आदमी

यह डोरी का एक बहुत ही गतिशील नमूना है। शायद आस्ट्रेलिया महाद्वीप में इसका उद्गम हुआ।
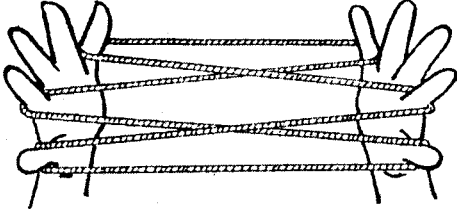
1. इसकी शुरुआत 'तर्जनी उंगली वाले आधार' से करें।
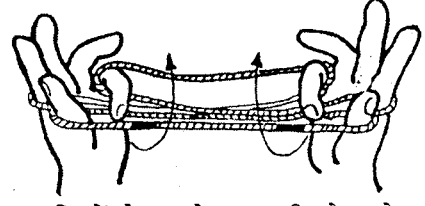
2. छोटी उंगलियों से सबसे पास की डोर को उठाएं और खींचें।
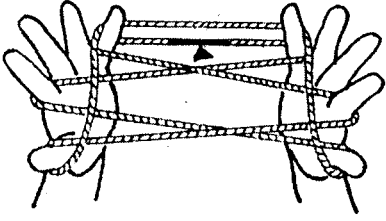
3. नमूना अब लगभग ऐसा दिखेगा। अब चित्र में दिखाई डोर को छोड़ दें।
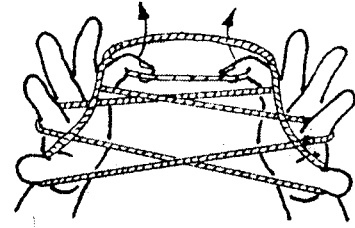
4. इस चित्र में डोर को छोड़ने की प्रक्रिया दिखाई गई है।
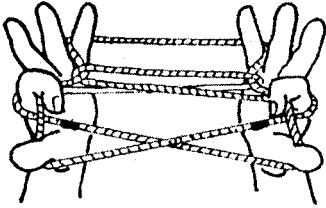
5. अब दोनों तर्जनी उंगलियों को मोड़ें और उनसे गुजरने वाली डोरों को कसकर पकड़ें।
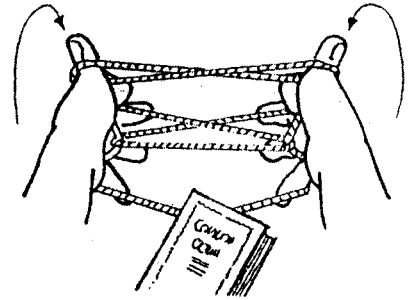
6. अब अपने दोनों हाथों को घुमाकर खुद से दूर ले जाएं। सबसे निचली डोरी को किसी भारी किताब से फर्श पर दबा दें।
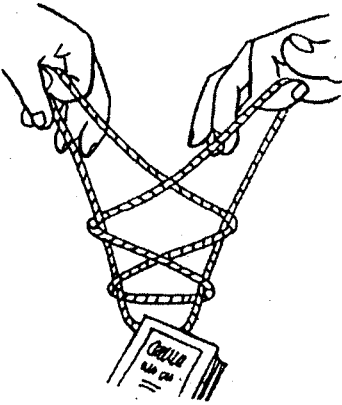
7. अब केवल तर्जनी उंगलियों वाली डोरों को ही कसकर पकड़ें। बाकी सभी डोरों को छोड़ दें।
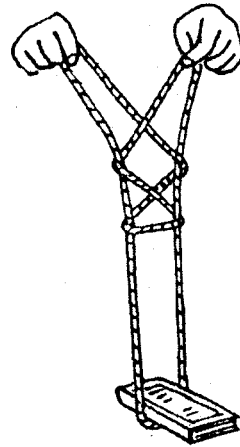
8. अगर आप अब बारी-बारी से तर्जनी की डोरों को ऊपर की ओर खींचेंगे तो आपको एक आदमी पेड़ पर चढ़ता हुआ दिखाई देगा।

एक-चतुर्भुज

आप काफी आसानी से एक-चतुर्भुज बना सकते हैं।
बाद में आप दो, तीन और चार-चतुर्भुज भी बना सकते हैं।
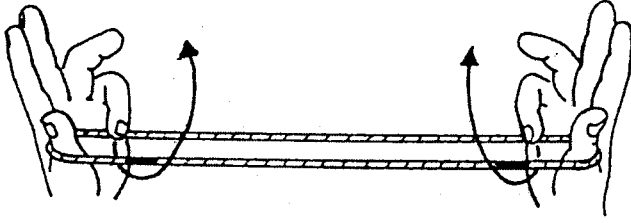
1. डोर को अपने दोनों अंगूठों में डालें। फिर दोनों छोटी उंगलियों से पास की डोरी को उठाएं।
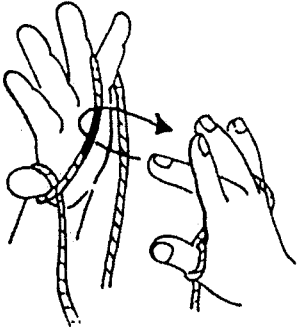
2. बाईं हथेली वाली डोर को दाईं मध्यमा से उठाएं और दाईं हथेली की डोर को बाईं मध्यमा से उठाएं।
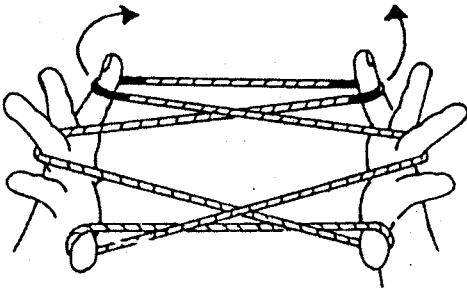
3. फिर दोनों छोटी उंगलियों के छल्लों को छोड़ दें।
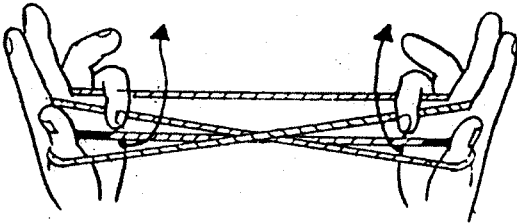
4. अपनी छोटी उंगलियों को मोड़ें और अंगूठे की दूर स्थित डोरी को उठाएं।
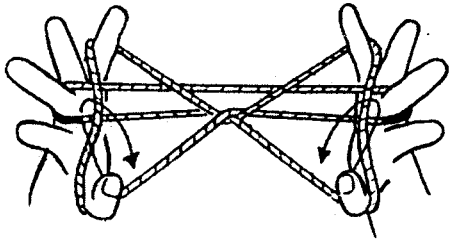
5. फिर चित्र में दिखाए अनुसार अंगूठों को मोड़ें और मध्यमा उंगलियों की डोरों को उठाएं। इस कार्य को करने के लिए आप दूसरे हाथ की तर्जनी उंगली और अंगूठे का उपयोग कर सकते हैं।
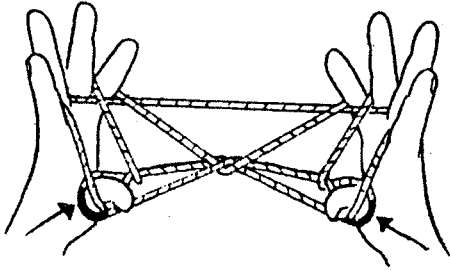
6. अब अंगूठों की निचली डोरी को ऊपर वाली से सरकाकर छोड़ दें। कुछ अभ्यास के बाद आप इस कार्य को आसानी से कर पाएंगे।
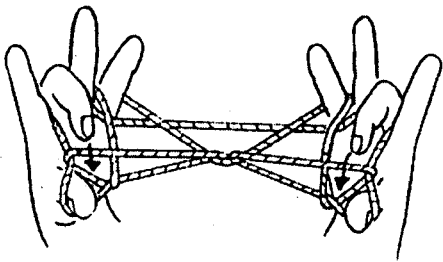
7. उसके बाद दोनों मध्यमा उंगलियों को मोड़ें और उन्हें दो छोटे त्रिकोणों में डालें।
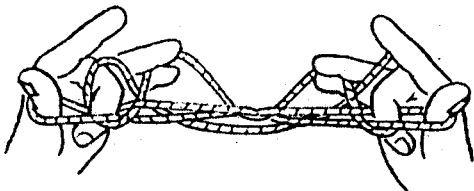
8. अब दोनों छोटी उंगलियों और दोनों मध्यमा उंगलियों की बाहरी डोरों को छोड़ें। अंगूठों और मध्यमा उंगलियों की अंदर वाली डोरों को पकड़े रहें।
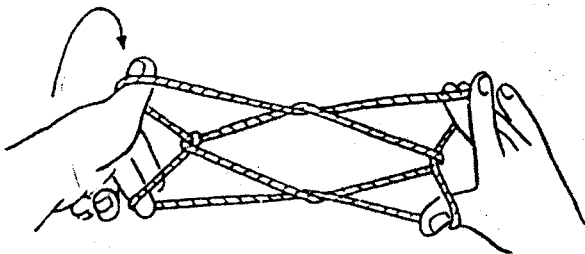
9. सावधानी से दोनों हाथों को दूर ले जाएं। जैसे ही आप अपने बाएं हाथ को घुमाकर खुद से दूर ले जाएंगे वैसे ही आपको डोर में एक-चतुर्भुज का सुंदर नमूना नजर आएगा।

दो-चतुर्भुज

एक-चतुर्भुज बनाने में कुशलता प्राप्त करने के बाद आप दो-चतुर्भुज भी आसानी से बना सकते हैं।
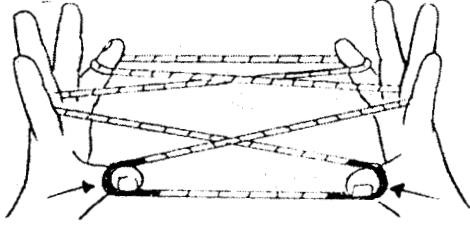
1. 'मध्यमा उंगली के आधार' से शुरू करें। दोनों अंगूठों की डोरी को छोड़ दें।
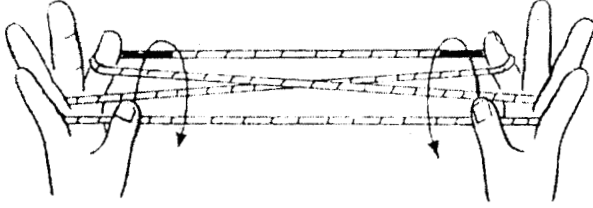
2. अपने अंगूठों को मोड़कर सबसे दूर स्थित डोर को उठाएं।
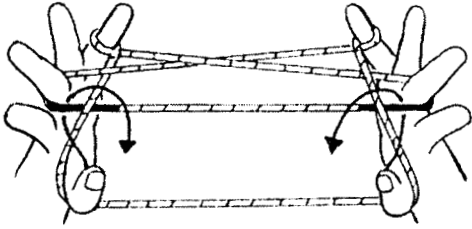
3. अपने अंगूठों को मोड़ें और मध्यमा उंगलियों की पास वाली डोरी को उठाएं।
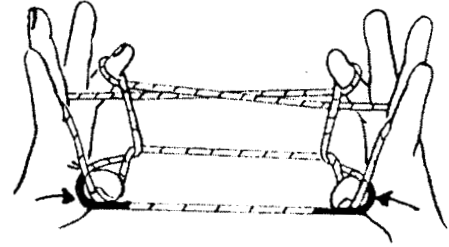
4. अंगूठों के निचले छल्ले को अपने दांतों की सहायता से ऊपरी छल्ले पर सरकाकर छोड़ दें।
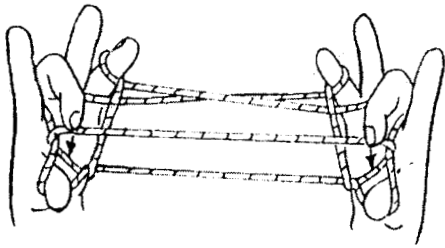
5. अब चित्र में दिखाए अनुसार मध्यमा उंगलियों को मोड़ें और उन्हें दो छोटे त्रिकोणों में डालें।
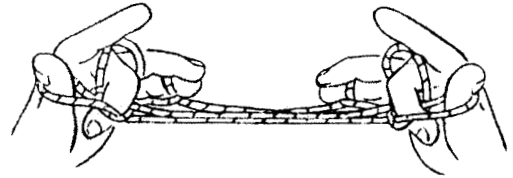
6. छोटी उंगलियों और मध्यमा उंगलियों की बाहरी डोरों को छोड़ें। अंगूठों और मध्यमा उंगलियों की अंदर वाली डोरों को पकड़े रहें।
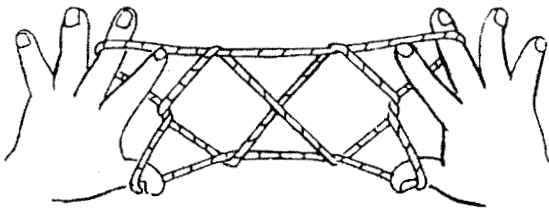
7. अपनी हथेलियों को मुंह से दूर ले जाएं और उन्हें थोड़ा घुमाएं। आपको डोरी में दो-चतुर्भुज दिखाई देंगे।

तीन-चतुर्भुज

तीन-चतुर्भुज का नमूना देखने में बहुत ही सुंदर लगता है।
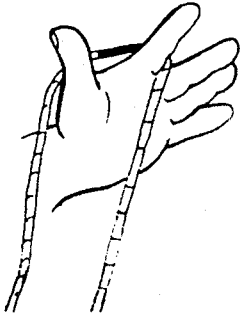
1. पहले डोरी को बाएं हाथ के अंगूठे और तर्जनी उंगली से लटकाएं।
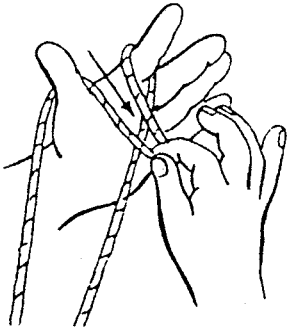
2. दाएं हाथ की तर्जनी उंगली और अंगूठे से बाएं हाथ के अंगूठे और तर्जनी उंगली के बीच की डोरी को खींचें।
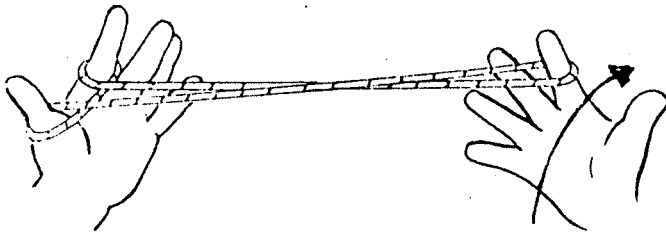
3. दाएं हाथ को अपनी ओर करके ऊपर की तरफ घुमाएं।
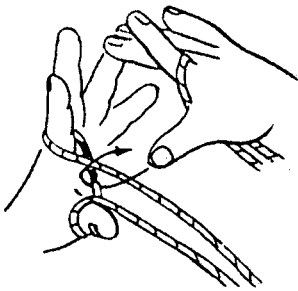
4. दाएं अंगूठे से बाईं हथेली वाली डोरी को उठाएं।
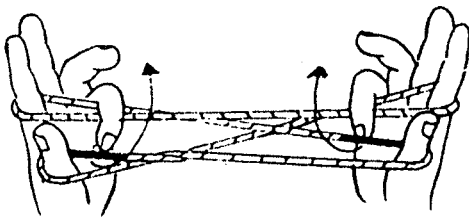
5. छोटी उंगलियों को मोड़कर अंगूठे की दूर वाली डोरों को उठाएं।
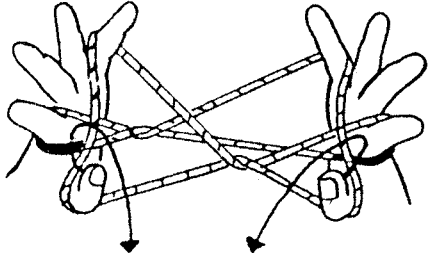
6. अंगूठों को मोड़कर तर्जनी उंगलियों की पास वाली डोरों को उठाएं।
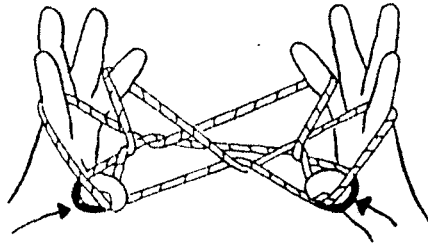
7. चित्र में दिखाए अनुसार, अंगूठे की निचली डोरों को छोड़ने के लिए उन्हें दांतों की सहायता से ऊपरी छल्ले पर सरकाएं।
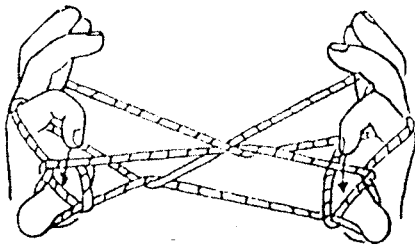
8. तर्जनी उंगलियों को नीचे की ओर झुकाएं तथा उन्हें छोटे त्रिकोणों में डालें।
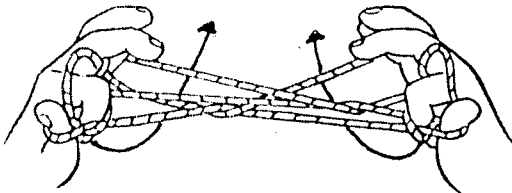
9. अंत में छोटी उंगलियों और तर्जनी उंगलियों की बाहरी डोरों को छोड़ें। अंगूठों और तर्जनी उंगलियों की अंदर वाली डोरों को पकड़े रहें।
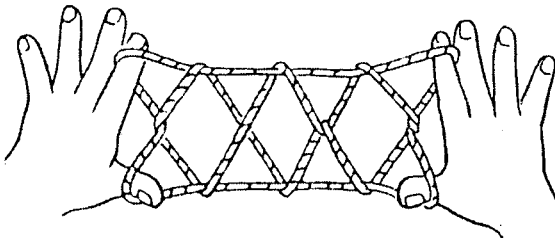
10. अब अगर आप दोनों हाथों को खुद से दूर करेंगे तो आपको डोरी में तीन-चतुर्भुज दिखाई देंगे।

जैकब की सीढ़ी

जैकब की सीढ़ी को मछली के जाल और चार-चतुर्भुज के नाम से भी जाना जाता है। डोरी का यह नमूना दुनिया के बहुत-से हिस्सों में लोकप्रिय है।
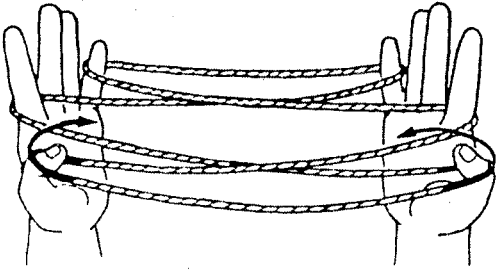
1. 'शुरुआत—1' से शुरू करें। अंगूठों के छल्लों को गिरा दें।
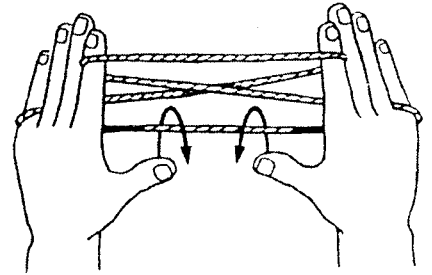
2. दोनों अंगूठों से नीचे की ओर से, छोटी उंगलियों की दूर स्थित डोरी को उठाएं।
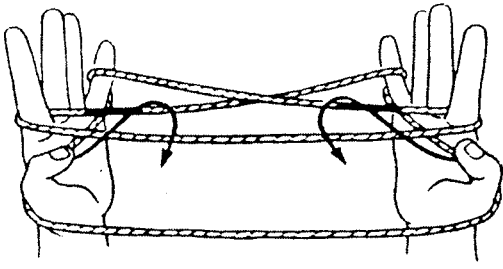
3. दोनों अंगूठों से तर्जनी उंगलियों की पास वाली डोरों के ऊपर जाकर, दूर वाली डोरों को उठाएं और वापिस आएं।
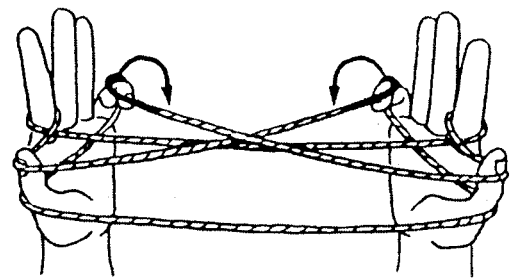
4. छोटी उंगलियों के छल्लों को गिराएं।
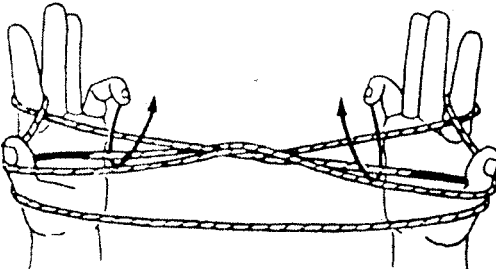
5. तर्जनी उंगलियों की डोर के ऊपर जाकर छोटी उंगलियों से अंगूठों की दूर स्थित डोरी को उठाएं और वापिस आएं।
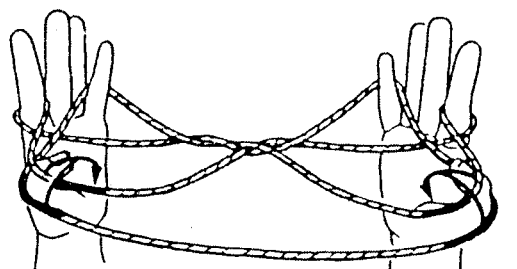
6. अब अंगूठों के छल्लों को गिराएं। इस स्थिति में नमूना 'बिल्ली की मूंछों' जैसा नजर आएगा।
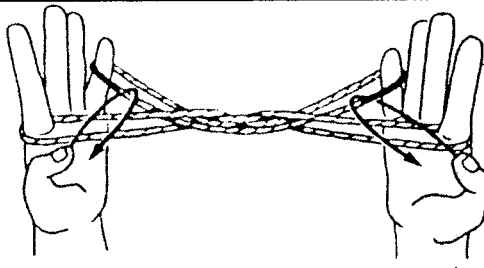
7. अपने अंगूठों से छोटी उंगलियों की पास वाली डोरियों को उठाएं और वापिस आएं।
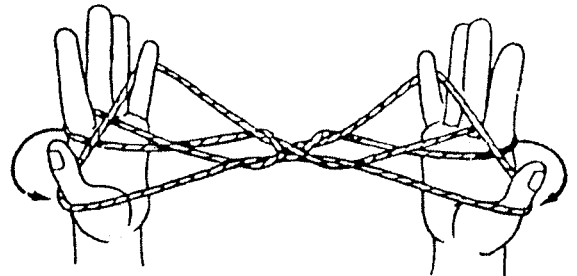
8. इसको फिर दोहराएं जिससे दाईं तर्जनी उंगली का छल्ला, दाएं अंगूठे का हिस्सा बन सके।
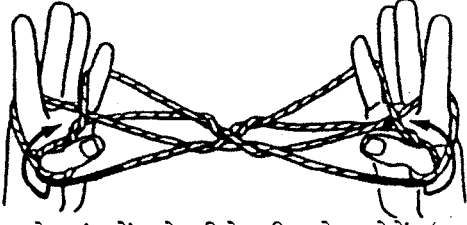
9. अपने अंगूठों को नीचे की ओर मोड़ें (इसके लिए आप अपनी उंगलियों या दांतों का भी उपयोग कर सकते हैं) और पहले बाएं अंगूठे के छल्लों को, फिर दाएं अंगूठे के छल्लों को 'नवाहो' करें।
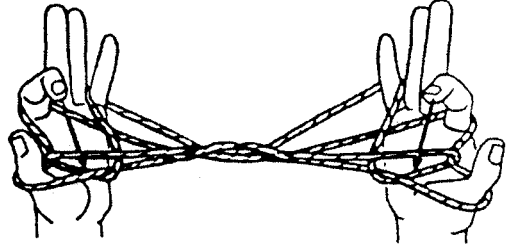
10. दोनों तर्जनी उंगलियों को अंगूठों के पास के त्रिकोणों में डालें।
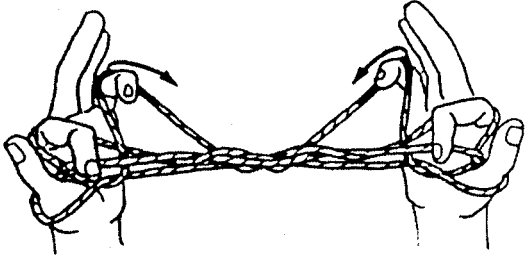
11. फिर सावधानी से छोटी उंगलियों को उनके छल्लों में से निकालें।
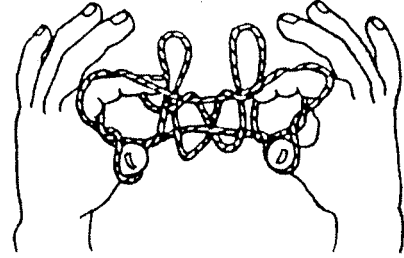
12. अपने हाथों को घुमाएं जिससे कि आपकी हथेलियां मुंह से उलटी दिशा में हों। इस स्थिति में तर्जनी उंगलियों के छल्ले आसानी से गिर जाएंगे।
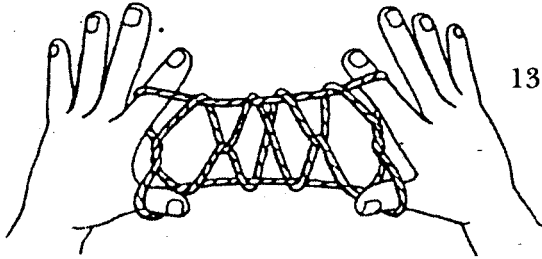
13. अब यदि आप तर्जनी उंगलियों को सीधा करेंगे तो आपको चार-चतुर्भुज या 'जैकब की सीढ़ी' का नमूना दिखेगा।
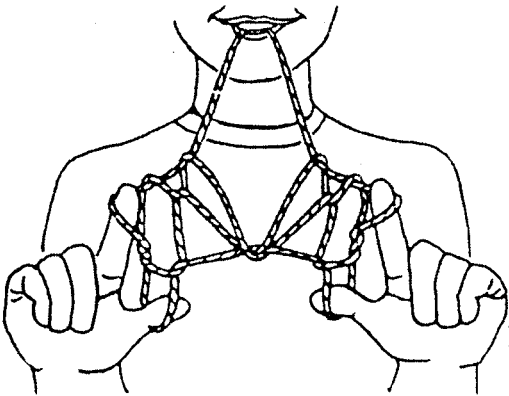
14. पेरिस की मशहूर 'आइफिल मीनार' बनाने के लिए सबसे ऊपरी डोरी के मध्य बिंदु को अपने दांतों से पकड़ें और खींचें। इससे आप बाद में चुड़ैल की टोपी भी बना सकते हैं।
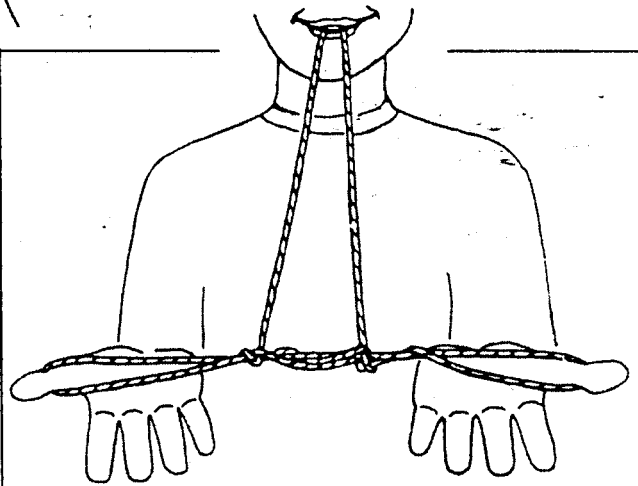
15. 'चुड़ैल की टोपी' बनाने के लिए ऊपर वाली डोरी के मध्य बिंदु को अपने दांतों के बीच में पकड़े रखें। तर्जनी उंगलियों के छल्लों को गिराएं और अपनी हथेलियों को अंगूठों के साथ फैलाएं।

भूकंप में गिरता घर

भारत के कई भागों जैसे उत्तरकाशी, लातूर और भुज में अकसर भूकंप आते रहते हैं। इस खेल में भूकंप आने से डोरी का एक मकान ढहता है और उसमें से दो लड़के निकलकर भागते हैं।
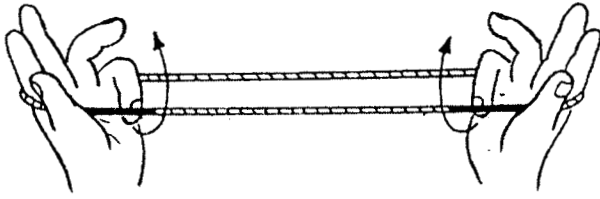
1. दोनों हाथों की चारों उंगलियों में डोरी को फंसाएं। छोटी उंगलियों से सबसे पास की डोरी को उठाएं और खींचकर वापिस लाएं।
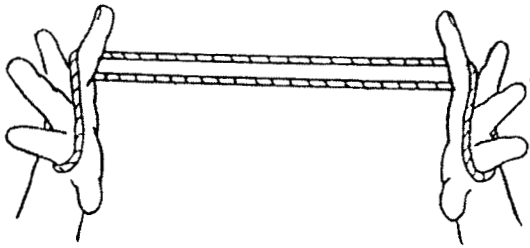
2. ऊपर की क्रिया के बाद डोरी इस प्रकार दिखेगी।
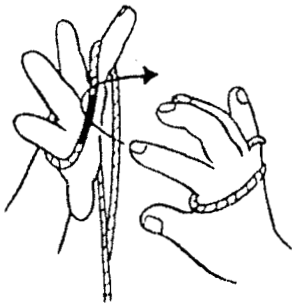
3. दाईं तर्जनी उंगली से बाईं हथेली वाली डोरी को उठाएं। इसी प्रकार बाईं तर्जनी उंगली से दाईं हथेली वाली डोरी को उठाएं।
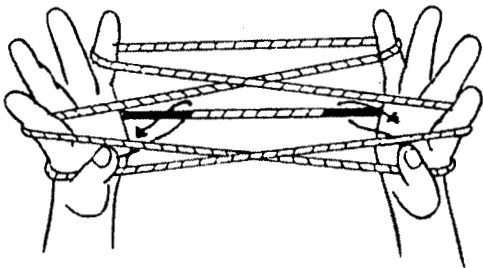
4. अंत में नमूना इस प्रकार दिखेगा। अब अपन अंगूठों को पास के त्रिकोणों में डालें और...
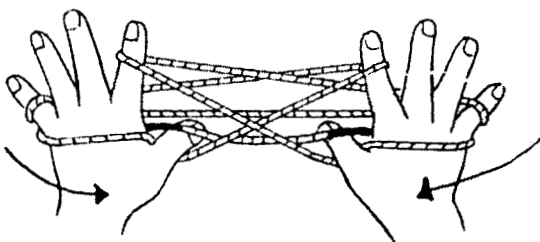
5. सबसे निचली और पीछे वाली डोर को उठाएं।
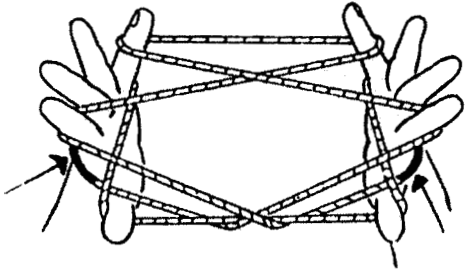
6. अंगूठों को पीछे से अपनी ओर मोड़ें। तीरों द्वारा दिखाई डोरों को छोड़ें।
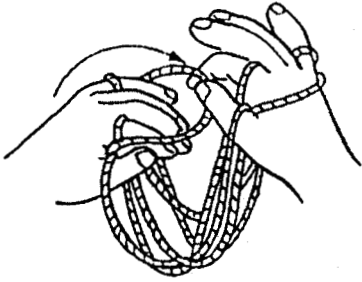
7. तीरों द्वारा दिखाई डोरों को गिराने के लिए दोनों हाथों के अंगूठों और तर्जनी उंगलियों का प्रयोग करें। उसके बाद दोनों हाथों को एक-दूसरे से दूर ले जाएं।
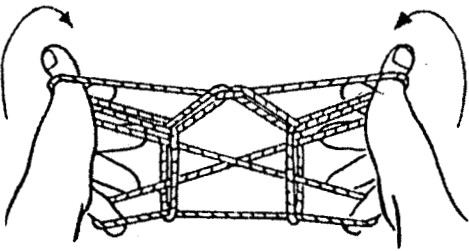
8. अब जब आप अपनी हथेलियों को घुमाकर मुंह से दूर ले जाएंगे, तो अचानक आपको एक घर दिखाई देगा।
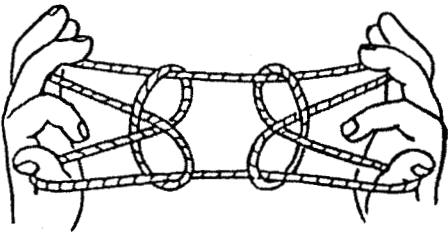
9. उसके बाद भूकंप आएगा। घर को भूकंप से हिलाने के लिए दोनों उंगलियों की डोरों को गिराएं।
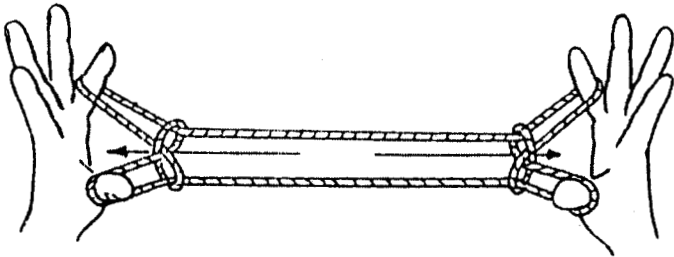
10. अब जैसे ही आप अपने दोनों हाथों को एक-दूसरे से दूर ले जाएंगे, घर भूकंप के कारण ढह जाएगा और दो लड़के अपनी जान बचाने के लिए घर से निकलकर विपरीत दिशाओं में भागेंगे।

ताड़ का पेड़

इस सुंदर पेड़ को बनाने के लिए आपको दोनों हाथों के साथ-साथ एक पैर का भी उपयोग करना होगा।
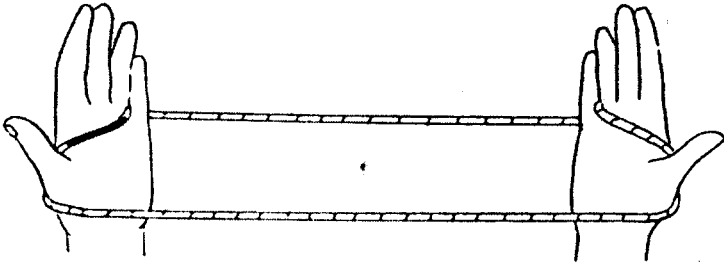
1. चित्र में दिखाए अनुसार दोनों हाथों की छोटी उंगलियों और अंगूठों के बीच डोरी को फंसाएं।
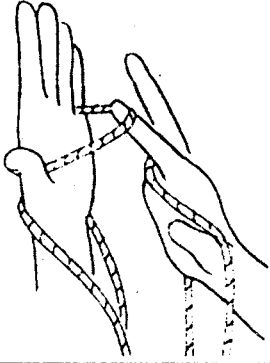
2. बाईं हथेली की डोरी को दाईं तर्जनी उंगली से उठाएं और अपने हाथों को एक-दूसरे से दूर ले जाएं।
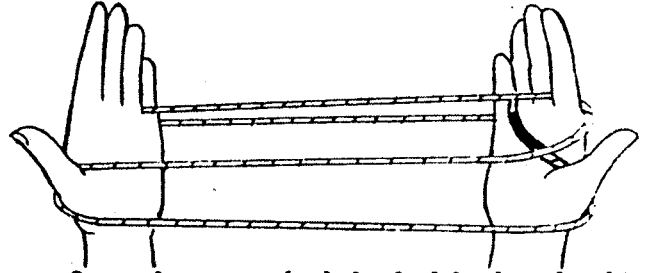
3. फिर उसी प्रकार दाईं हथेली की डोरी को बाईं तर्जनी उंगली से उठाएं।
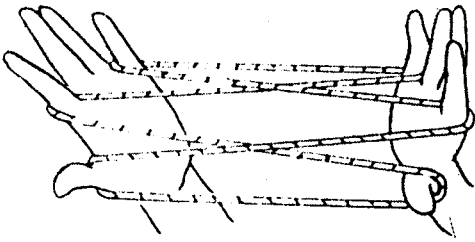
4. जब आप अपने हाथों को एक-दूसरे से दूर ले जाएंगे तो अपने आप ही 'तर्जनी उंगली का आधार' बन जाएगा।
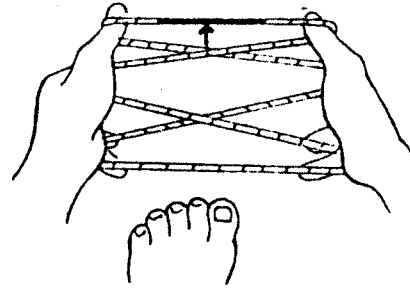
5. अब अपनी उंगलियों के सिरों को फर्श पर टिकाएं और अंगूठों की बाहरी डोरी को खोजें। चित्र में इस डोरी को तीर से दर्शाया गया है।
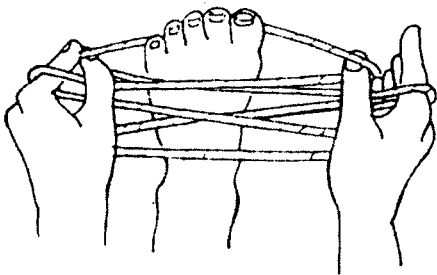
6. एक पैर को बाकी अन्य डोरों के नीचे ले जाएं और उसे इस डोर पर रखें।
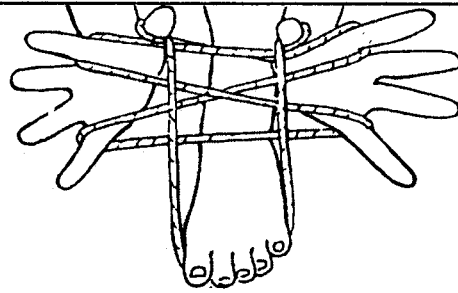
7. अपने पैर (और जिस डोरी पर आपका पैर टिका है) को फर्श पर टिकाएं और हाथों को थोड़ा ऊपर उठाएं। हाथों को थोड़ा-सा घुमाएं जिससे उंगलियों के सिरों की दिशा आपसे दूर हो। सामने से देखने पर नमूना इस प्रकार दिखेगा।
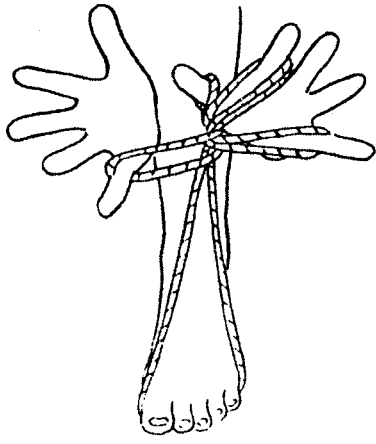
8. अब दाएं हाथ के सभी छल्लों को बाएं हाथ पर ले जाएं। एक छल्ला पहले से ही बाएं हाथ पर होगा। दाएं हाथ वाले छल्लों को बाईं हाथ की उंगलियों के सिरों के पास रखें।
पहले दाएं अंगूठे के छल्ले को बाएं अंगूठे में डालें।
दाएं हाथ के पहले छल्ले को बाईं तर्जनी उंगली में डालें।
दाएं हाथ की छोटी उंगली का छल्ला बाएं हाथ की छोटी उंगली में डालें।

9. अब बाएं हाथ के निचले छल्ले (तीर द्वारा दर्शाए गए) को ऊपर उठाएं और उसे दाएं हाथ में ले जाएं।
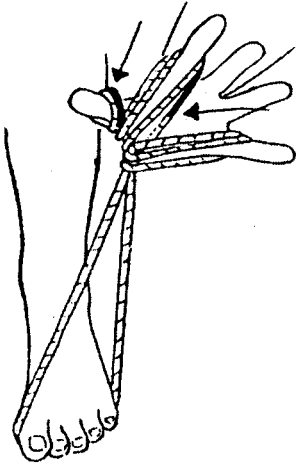
इसके लिए नीचे के सारे छल्लों को ऊपर लाएं और दाएं हाथ में ले जाएं।

इसके लिए बाईं छोटी उंगली के छल्ले को दाईं छोटी उंगली में डालें।
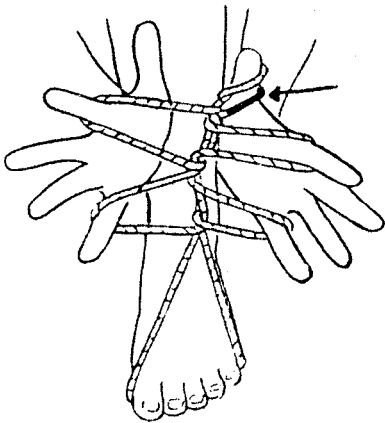
10. उसके बाद बाईं तर्जनी उंगली और बाएं अंगूठे के छल्लों को दाएं हाथ में ले जाएं।
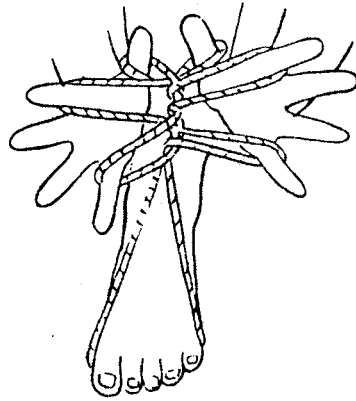
11. अपने हाथों को थोड़ा और ऊपर उठाएं। अब आपको डोरी में एक सुंदर ताड़ का पेड़ दिखेगा। अगर आप अपनी हथेलियों को हिलाएंगे तो आपको ताड़ के पत्ते हवा में लहलहाते नजर आएंगे।

तितली

डोर की बनी यह सुंदर तितली जापान में काफी लोकप्रिय है। इसके लिए आपको अपने हाथों को कुछ अजीबोगरीब ढंग से घुमाना होगा, इसलिए इसके निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़ें।
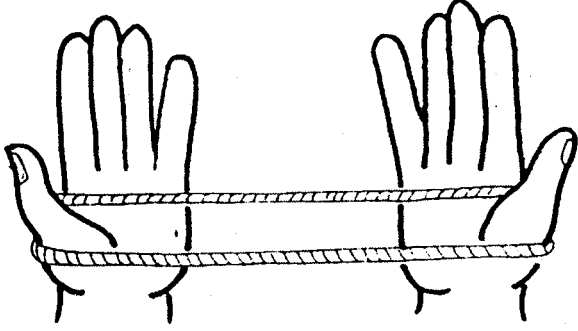
1. चित्र में दिखाए अनुसार डोरी को अपने दोनों अंगूठों में डालें।
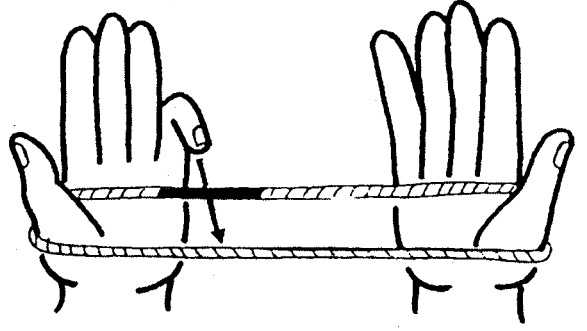
2. अब दूर वाली डोरी को बाईं छोटी उंगली से उठाएं।
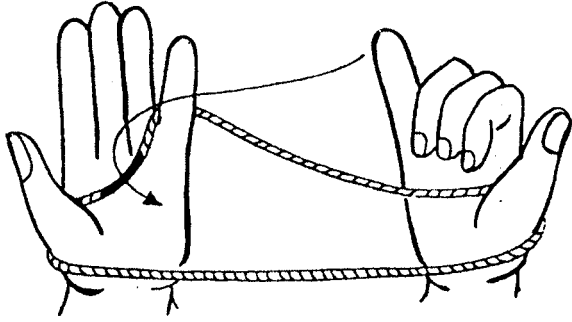
3. छोटी उंगली को छोड़कर दाएं हाथ की बाकी सभी उंगलियों को नीचे मोड़ें। दाईं छोटी उंगली को बाईं हथेली की डोर के पीछे डालें। आपका नमूना ठीक बना है या नहीं, इसकी पुष्टि चित्र में देखकर करें।
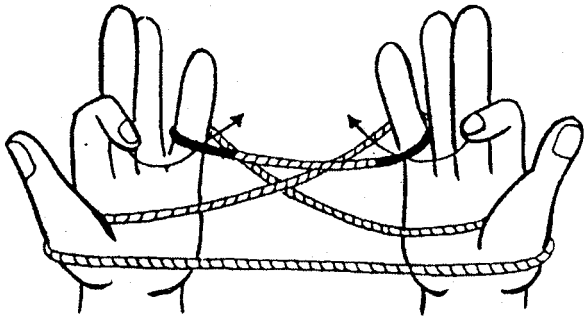
4. दोनों तर्जनी उंगलियों से छोटी उंगलियों की नजदीक वाली डोरों को उठाएं।
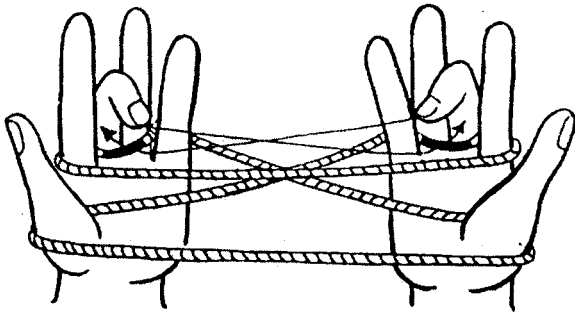
5. अब मध्यमा उंगलियों से हथेलियों पर काले रंग से दर्शाई डोरों को उठाएं।
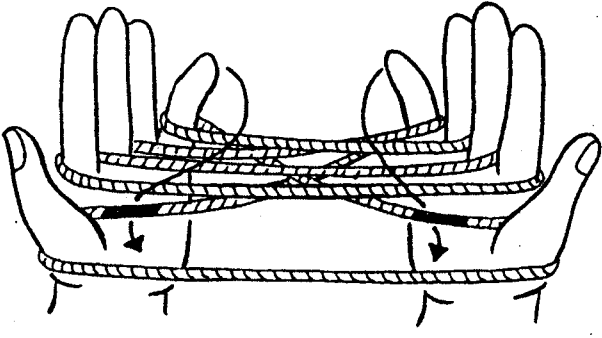
6. छोटी उंगलियों से अंगूठों की दूर वाले डोरों को उठाएं और फिर 'मूल स्थिति' पर वापिस आएं।
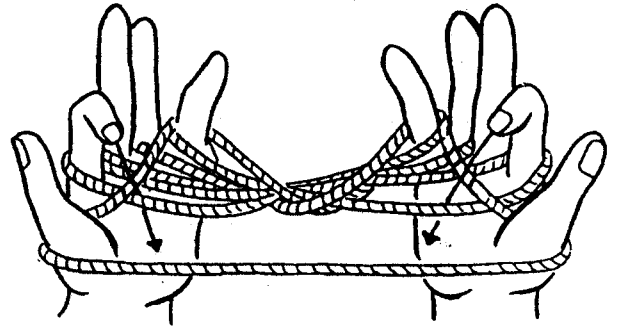
7. तर्जनी उंगलियों को हथेली की डोरों के ऊपर से होकर खुद के ही छल्लों में डालें।
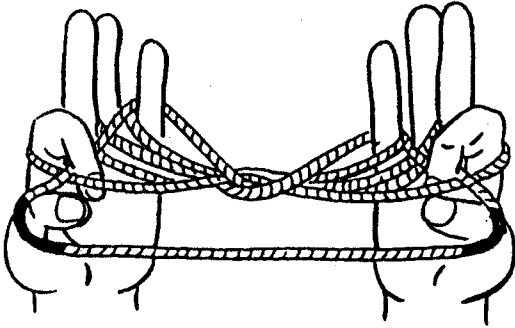
8. हथेली की इन डोरों को तर्जनी उंगलियों से कसकर पकड़ने के बाद अंगूठों के छल्लों को गिरा दें।
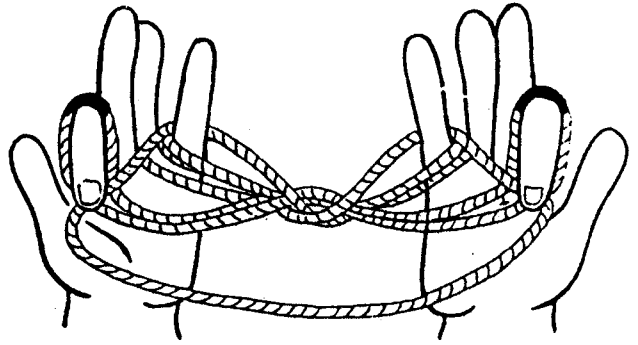
9. अब हथेलियों को मुंह की ओर करें और फिर तर्जनी उंगलियों के पुराने छल्लों को गिरा दें।
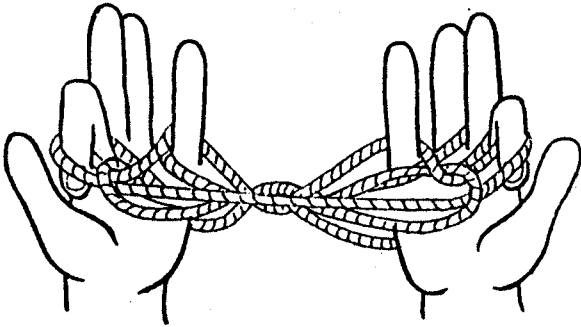
10. जैसे ही आप अपनी तर्जनी उंगलियों को सीधा करेंगे, उनके नीचे की डोरों से तर्जनी उंगलियों के नए छल्ले बन जाएंगे।
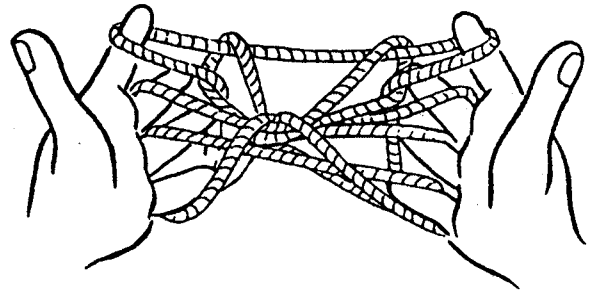
11. हथेलियों को अब एक-दूसरे के आमने-सामने लाएं, जिससे कि अंगूठे ऊपर हों और उंगलियों की दिशा आपसे दूर हो। इस स्थिति में आपको डोरी के नमूने में एक सुंदर तितली छिपी दिखेगी।

भारतीय चारपाई

डोरी का यह सुंदर नमूना अपाशे (अमरीकी जनजाति) गेट के नाम से भी प्रचलित है। पर अपने यहां भारत में, यह बिलकुल परंपरागत चारपाई या खाट जैसा दिखता है।
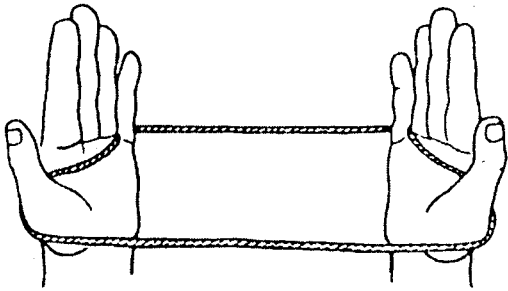
1. डोरी को 'शुरुआत की स्थिति' में रखें।
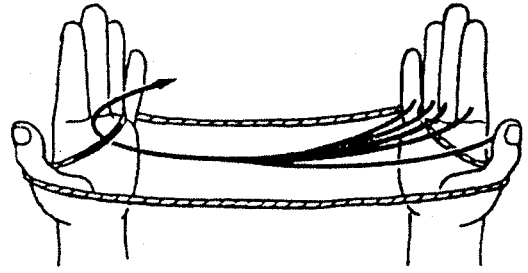
2. पूरे दाएं हाथ को बाईं हथेली की डोर के नीचे से डालें और डोरी के छल्ले को दाईं कलाई पर फिसलकर आने दें।
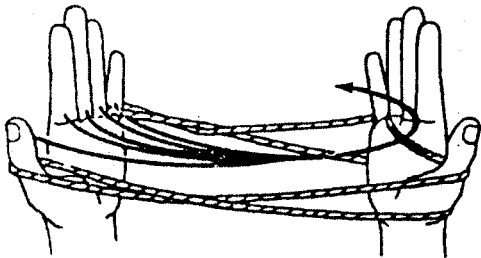
3. इस प्रक्रिया को दूसरे हाथ के साथ भी दोहराएं। बाएं हाथ को दाईं हथेली की डोर के नीचे से डालें और डोरी के छल्ले को बाईं कलाई पर फिसलकर आने दें।
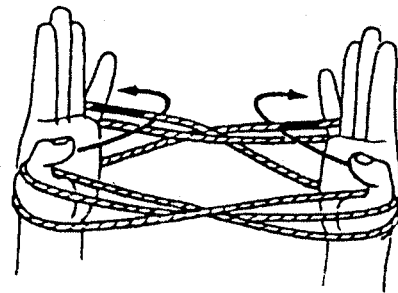
4. दोनों अंगूठों से छोटी उंगलियों की नजदीक वाली डोरों को उठाएं।
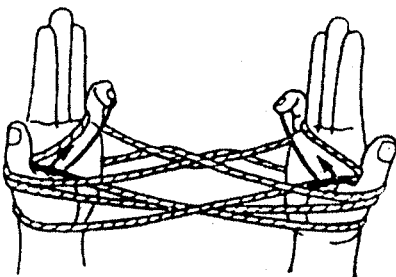
5. फिर दोनों छोटी उंगलियों से अंगूठों की दूर स्थित डोरों को उठाएं।
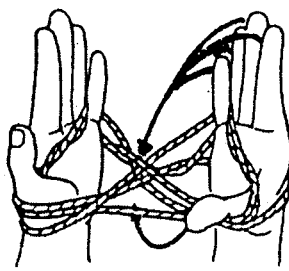
6. अब अपने पूरे दाएं हाथ से नमूने के मध्य की सभी डोरों को पकड़ें।
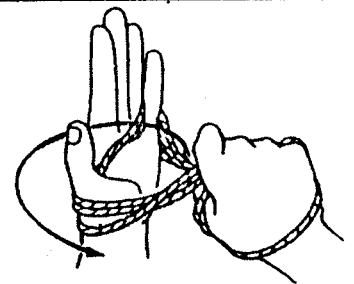
7. इन सभी डोरों को दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली के बीच डालें। अंगूठे के छल्लों को ढकें नहीं। फिर आप दाएं हाथ से पकड़ी सभी डोरों को छोड़ दें।
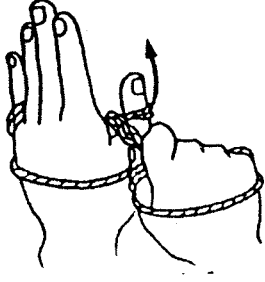
8. अब दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से बाएं अंगूठे के दोनों छल्लों को पकड़ें। दाएं हाथ को बिलकुल स्थिर रखें।
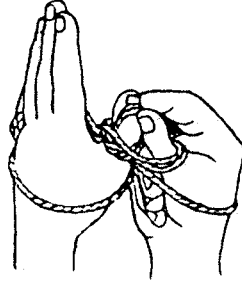
9. अपने बाएं अंगूठे को इन दोनों छल्लों से बाहर निकालें और उन डोरों से भी बाहर निकालें जिन्हें आपने अभी-अभी लपेटा था।
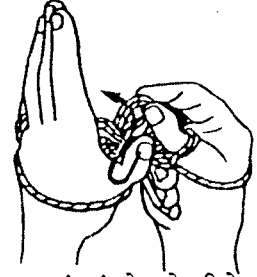
10. अब बाएं अंगूठे को नीचे से उन दोनों छल्लों में से भी निकालें, जिन्हें आपने अपने दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से पकड़कर रखा है।
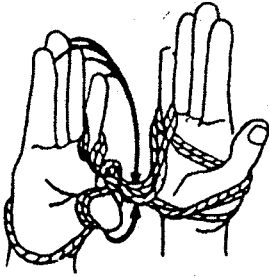
11. इस प्रक्रिया को दाएं हाथ के साथ भी दोहराएं। इसके लिए बाएं हाथ से नमूने के बीच की सभी डोरों को पकड़ें।
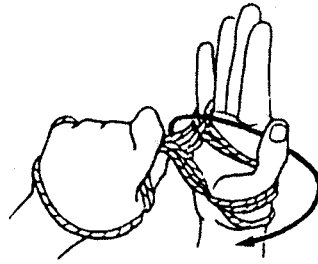
12. इन सभी डोरों को अपने दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली के बीच में डालें।
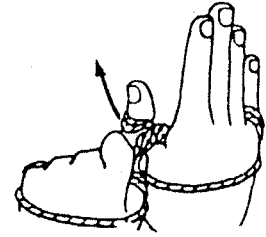
13. फिर अपने बाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से दाएं अंगूठे के दोनों छल्लों को पकड़ें। अपने बाएं हाथ को बिलकुल नहीं हिलाएं।
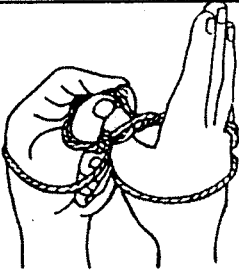
14. अपने दाएं अंगूठे को उसके ऊपर के दो छल्लों में से बाहर निकालें। फिर नीचे से दाएं अंगूठे को उन छल्लों में डालें जिन्हें आपने अपने बाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से पकड़ा है।
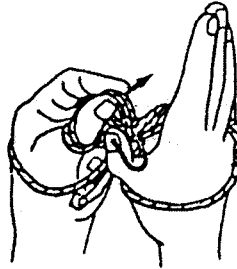
15. अपने दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से बाईं कलाई के ऊपर के छल्ले को बाएं हाथ पर से उतारें और उसे नमूने के बीच में डालें।
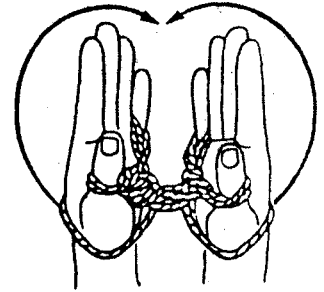
16. अपने बाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से दाईं कलाई के ऊपर के छल्ले को दाएं हाथ पर से उतारें और उसे नमूने के बीच में डालें।
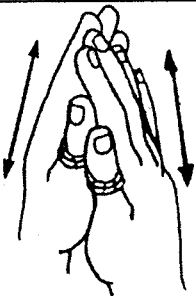
17. अब मजे की बात होगी। अपनी दोनों हथेलियों को एक-दूसरे के पास लाएं और कोई मंत्र पढ़ें और हथेलियों पर फूंकें!
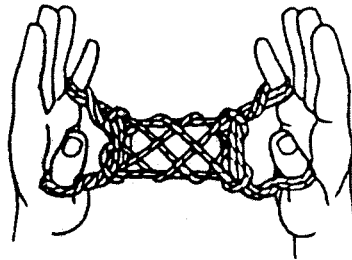
18. फिर दोनों हथेलियों को एक-दूसरे से दूर ले जाएं। आपको बीच में डोरी से बुनी एक सुंदर चारपाई (खाट) नजर आएगी।

पैराशूट या चाबियों का गुच्छा

इस नमूने को बनाने में कुछ ज्यादा समय लगेगा। लेकिन आप बिलकुल भी हताश न हों। यह नमूना देखने में कठिन लगता है पर वास्तव में काफी सरल है।
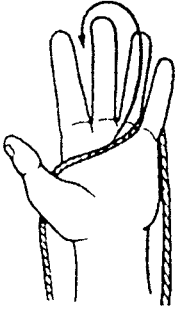
1. चित्र में दिखाए अनुसार डोरी को बाएं हाथ के अंगूठे और छोटी उंगली में डालें। उसके बाद डोरी को अपनी मध्यमा के पीछे से डालें।

2. अब डोरी के लटकते बड़े छल्ले में दाएं हाथ को डालें और दाईं तर्जनी उंगली को हुक की तरह इस्तेमाल करते हुए बाईं तर्जनी उंगली के छल्ले को पकड़ें।
   साथ में दाईं मध्यमा के 'हुक' से बाईं मुद्रिका के छल्ले को पकड़ें। इन छल्लों को खींचकर जितना संभव हो, पीछे ले जाएं। डोरी के लंबे छल्ले को अपनी कलाई से लटकने दें। दाएं हाथ के छल्लों के बीच में जगह होगी।
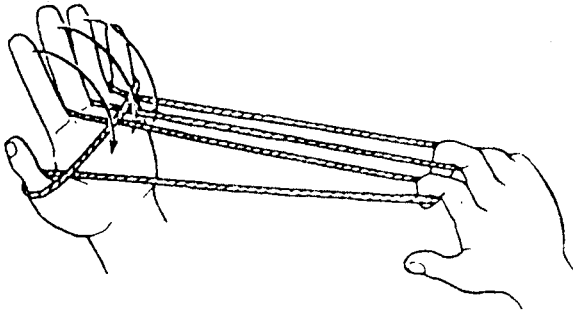
3. अब बाईं तर्जनी उंगली को दाईं तर्जनी उंगली द्वारा पकड़े हुए छल्ले में डालें। उसके बाद बाईं मध्यमा को मोड़कर छल्लों के बीच की जगह में डालें। अंत में बाईं मुद्रिका को दाईं मध्यमा के छल्ले में डालें।
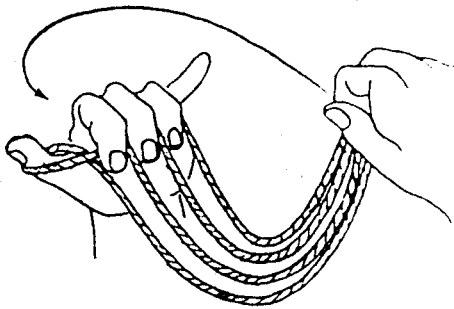
4. इन छल्लों को बाईं हथेली के पीछे लटकाएं और डोरी को छोड़ दें।
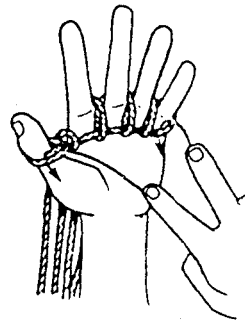
5. दाईं तर्जनी उंगली के 'हुक' से बाएं अंगूठे के सामने वाले छल्ले को उठाएं। दाईं मध्यमा के 'हुक' से बाईं छोटी उंगली के छल्ले को उठाएं।
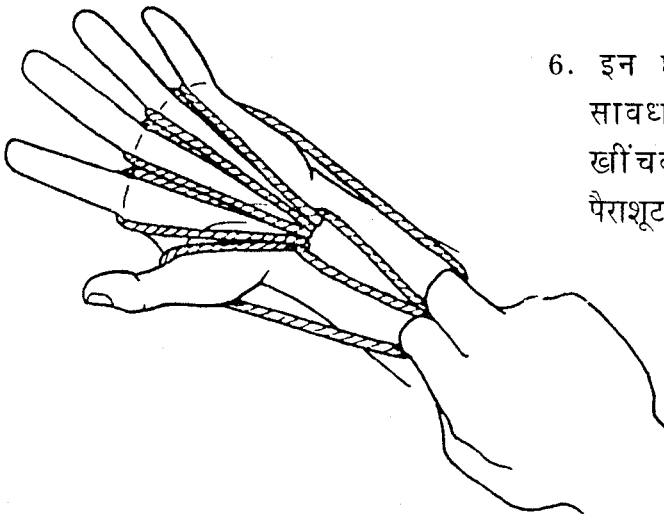
6. इन छल्लों को सावधानी से खींचकर एक पैराशूट बनाएं।
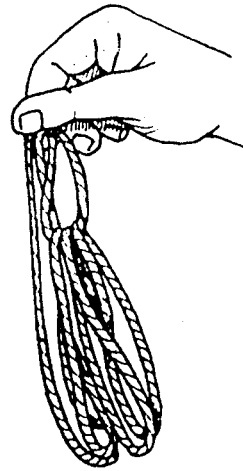
7. अगर पैराशूट को उलटा लटकाकर आप अपने बाएं हाथ की सभी उंगलियों को बाहर निकालेंगे तो डोरी का नमूना देखने में चाबियों के गुच्छे जैसा नजर आएगा।

केले का गुच्छा

आप यदि चाहें तो डोरी के छल्ले से केलों का एक गुच्छा बना सकते हैं। परंतु आप उन्हें खा नहीं पाएंगे।
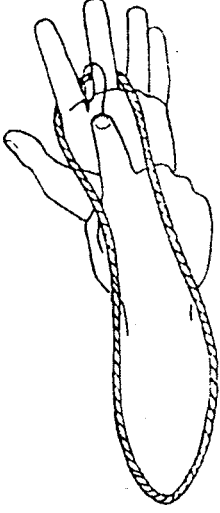
1. डोरी के छल्ले को बाएं हाथ की तर्जनी और मध्यमा उंगलियों के पीछे से लटकाएं। लंबा छल्ला हथेली से लटका रहेगा।
फिर दाएं हाथ को लटकते छल्ले के नीचे से ले जाकर, दाईं तर्जनी उंगली के 'हुक' से बाईं तर्जनी और मध्यमा के बीच की डोर को पकड़ें। डोर को जितना संभव हो उतना पीछे की ओर खींचें।

2. दाएं हाथ को लटकते छल्ले में नीचे से डालें। दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से बाईं तर्जनी और मध्यमा के बीच की डोरों को पकड़ें। इन्हें लूप के ऊपरी (चित्र में दिखाए अनुसार) स्थान से पकड़ें।
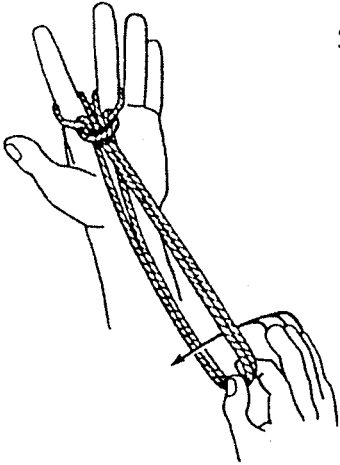
3. अब इन डोरों को जितना संभव हो उतना पीछे की ओर खींचें। छल्ले के सिरे को दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से पकड़ें। छल्ले में कोई मोड़ नहीं पड़ने दें। अब छल्ले में दाएं हाथ की सभी उंगलियां डालें।
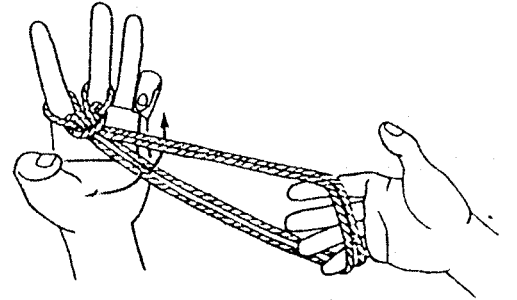
4. बाएं अंगूठे और छोटी उंगली से नीचे की केवल एक डोर पकड़ें। उसके बाद दाएं हाथ की डोरों को गिरा दें।
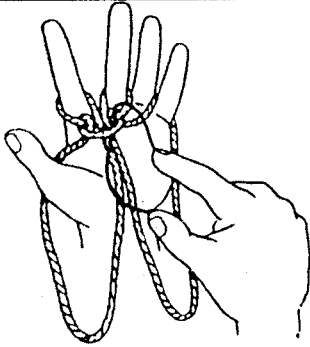
5. आपको बाईं तर्जनी और मध्यमा उंगलियों के बीच एक लूप दिखाई देगा। अपने दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से इस छोटे लूप को पकड़कर खींचें। इसको बहुत दूर तक नहीं खींचें, नहीं तो पूरे नमूने के टूटने का अंदेशा है।
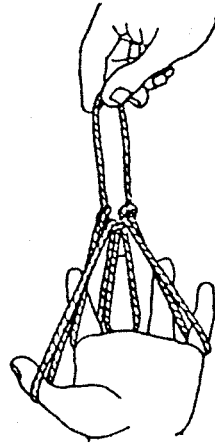
6. इससे अमरीकी आदिवासियों का तंबू (टेंट) बन जाएगा।
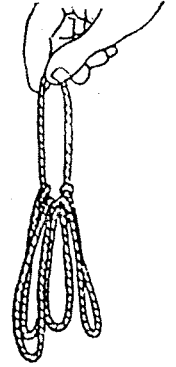
7. अब अगर आप अपने बाएं हाथ से डोर के सभी छल्लों को हटाएंगे तो आपको केलों का लटकता गुच्छा दिखाई देगा।

उड़ती चिड़िया

यह डोरी का एक गतिशील नमूना है। अगर आप अपने हाथों को खींचेंगे तो चिड़िया के पंख फड़फड़ाएंगे और वह उड़ती हुई नजर आएगी।
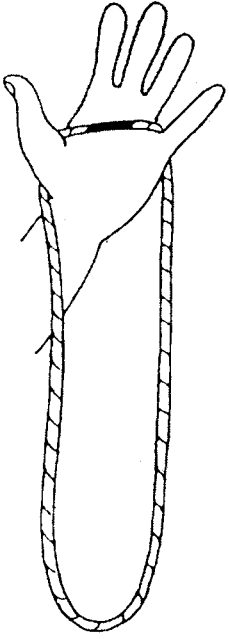
1. चित्र में दिखाए अनुसार डोर के छल्ले को बाएं अंगूठे और छोटी उंगली में डालें। दाएं हाथ को मुक्त रखें।
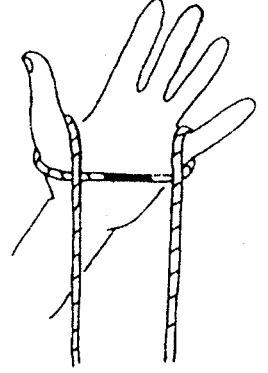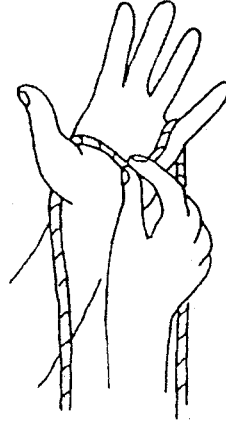
2. बाईं हथेली की डोरी को दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से पकड़ें और उसे जितना संभव हो उतना नीचे तक खींचें।

नतीजा इस प्रकार दिखेगा।
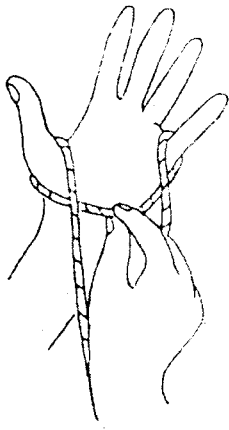
3. एक बार फिर बाईं हथेली की नई डोर को पकड़ें और उसे नीचे तक खींचें।
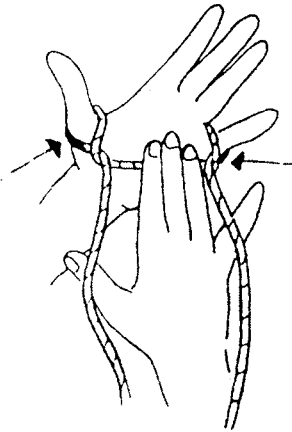
4. दाएं हाथ की उंगलियों को बाईं हथेली पर रखें। दायां अंगूठे और छोटी उंगली को लटकते हुए छल्ले में चित्र में दिखाए अनुसार डालें।
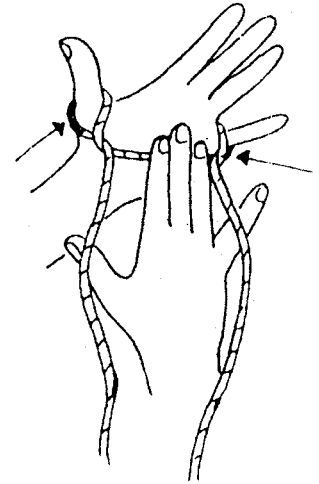
5. फिर बाएं अंगूठे और छोटी उंगली के छल्लों को खोजें (इन्हें तीरों से दर्शाया गया है)।
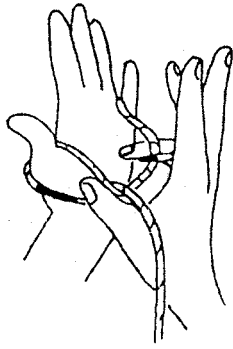
6. दाएं अंगूठे और दाईं छोटी उंगली को इन छल्लों में डालें और...

7. इन छल्लों को लटकते हुए बड़े छल्ले में से खींचें...
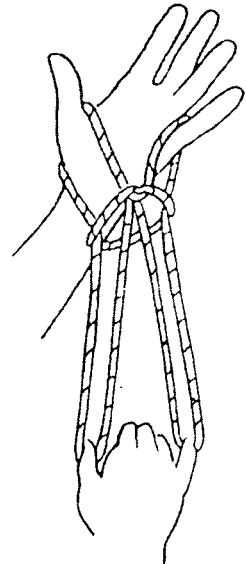
8. और उन्हें खींचकर नीचे तक लाएं।
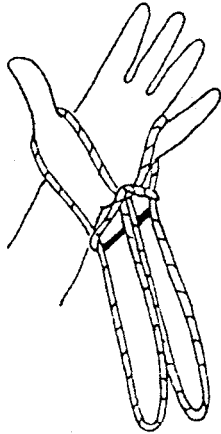
9. छल्लों को नीचे तक खींचने के बाद दाएं हाथ की डोरों को गिरा दें। अब आपको बाईं हथेली के नीचे दो छोटे त्रिकोण लटकते नजर आएंगे।
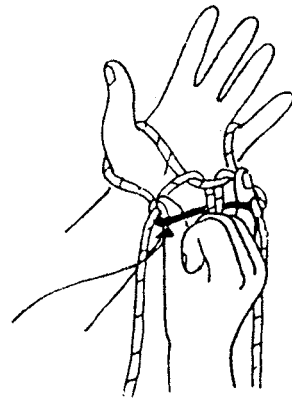
10. अब दाएं अंगूठे और छोटी उंगली को दोनों त्रिकोणों की डोर के नीचे से जाकर 'हुक' करें (इन्हें तीरों से दिखाया गया है)।
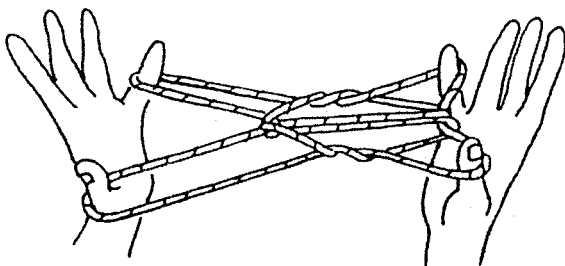
11. इन डोरों को अपने बाएं हाथ से दूर खींचें। डोरों को संभाल कर पकड़े रहें। उन्हें छोड़ें नहीं। आपको अपने हाथों के बीच दो चतुर्भुज दिखाई देंगे।
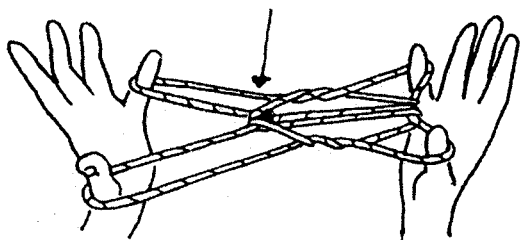
12. दाईं तर्जनी उंगली से उस छल्ले को उठाएं जिससे बायां चतुर्भुज जुड़ा है (उस बिंदु को तीर से दर्शाया गया है)।
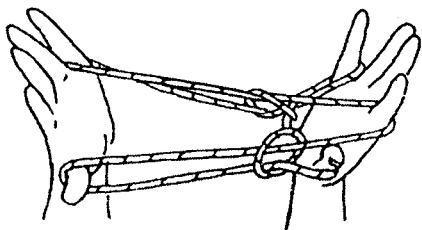
13. इस स्थिति में डोरी का नमूना ऐसा दिखेगा।
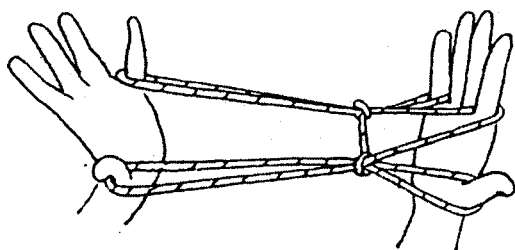
14. जैसे-जैसे आप अपने हाथों को दूर ले जाएंगे वैसे-वैसे दोनों छल्ले कसेंगे और उनमें गांठ पड़ेगी।
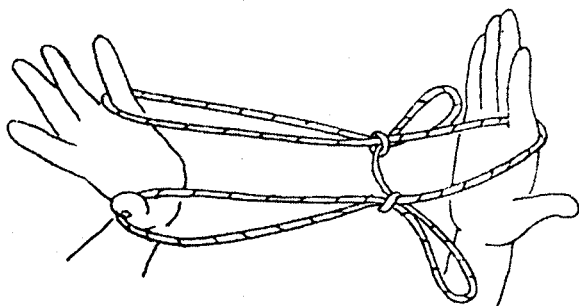
15. सावधानी से दाएं अंगूठे और छोटी उंगली को गिराएं। इससे चिड़िया के पंख बनेंगे।
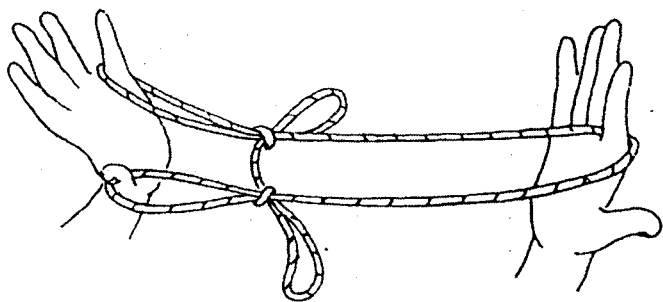
16. जैसे ही अपने हाथों को एक-दूसरे से दूर ले जाएंगे, वैसे ही चिड़िया बाईं ओर उड़ती हुई नजर आएगी।

मोमबत्तियां

इस खेल में मोमबत्ती बनाने के तरीके को समझाया गया है। इसमें मोमबत्ती को मोटा करने के लिए उसके धागे को कई बार पिघले मोम में डुबोया जाता है। डोरी के इस खेल में एक रोचक कहानी भी छिपी है।
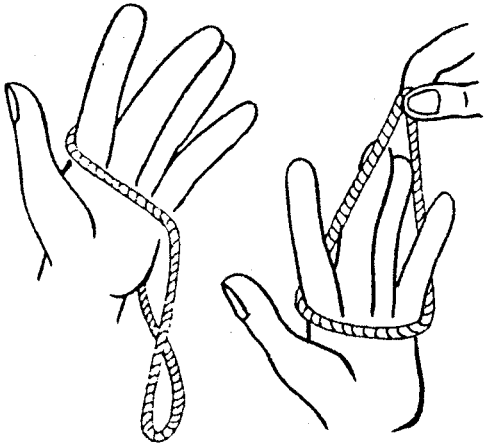
1. डोरी को बाईं हाथ की चारों उंगलियों में डालें। अंगूठे को छोड़ दें। दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से बाएं हाथ से लटकती दोनों डोरों को पीछे की ओर से पकड़ें।
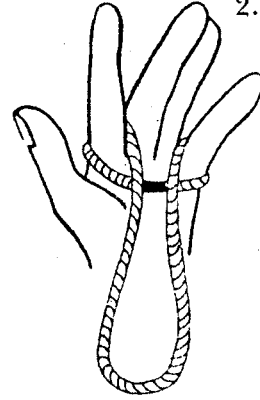
2. चित्र में दिखाए अनुसार इन डोरों को बाएं हाथ की उंगलियों में डालें। डोरी का छल्ला बाईं हथेली पर एकदम सपाट होकर लटके।
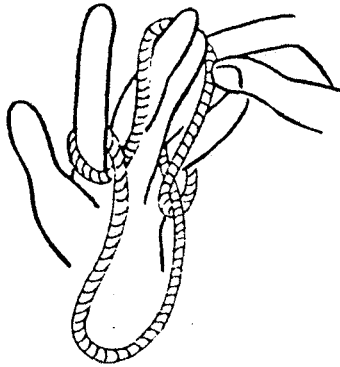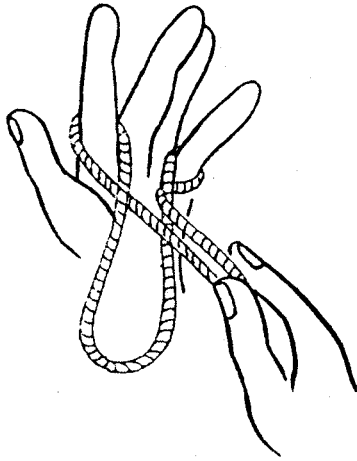
3. दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से बाईं हथेली से लटके छल्ले की नीचे वाली डोर को उठाएं। डोरी को इतना खींचें जिससे कि वह बाईं मध्यमा और मुद्रिका में फिट हो जाए। अभी भी बाईं हथेली पर डोरी का एक छल्ला लटका होगा। इस छल्ले को खींचकर कसें।
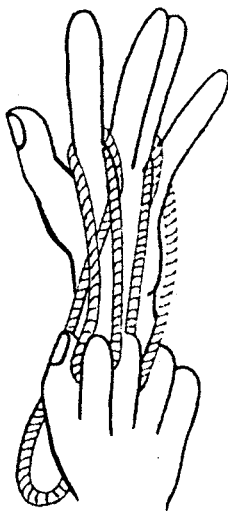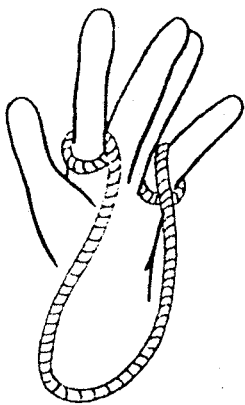
4. अब दाईं मध्यमा को बाईं छोटी उंगली के छल्ले में डालें और दाईं तर्जनी उंगली को बाईं तर्जनी के छल्ले में डालें। जितना हो सके उन्हें उतना बाहर की ओर खींचें।
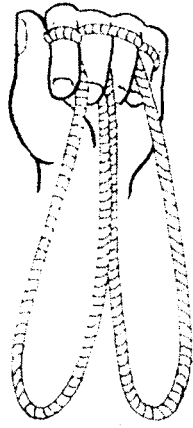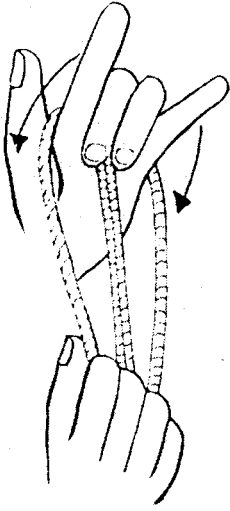
5. अब बाएं हाथ की उंगलियों को हथेली पर बंद करें। इसके लिए तर्जनी को लटकती डोर की बाईं ओर, मध्यमा को बाईं तर्जनी के छल्ले में और मुद्रिका को दाईं छोटी उंगली के छल्ले में डालें। छोटी उंगली लटकते छल्ले के दाईं ओर होगी।
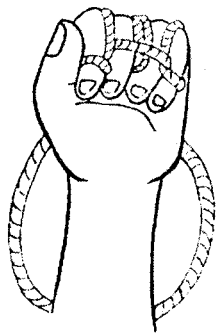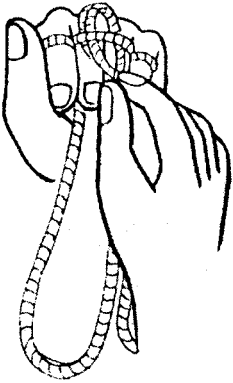
6. दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से लटकते हुए दोनों छल्लों को बाएं हाथ के पीछे मध्यमा और मुद्रिका के बीच में डालें। इस छल्ले को खींचें जिससे वह बाएं हाथ के पीछे की ओर लटके।
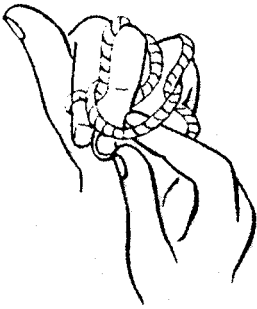
7. दाएं अंगूठे और तर्जनी उंगली से बाएं हाथ की मध्यमा और मुद्रिका उंगलियों के पीछे वाले लूप को खींचकर हथेली के पास लाएं।
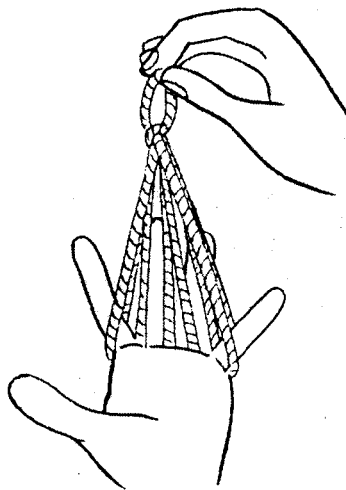
कहानी : एक आदमी ने एक बार कई मोमबत्तियां चुराईं। वह उन्हें घर ले गया और एक कील से लटका दिया।

8. धीरे और सावधानी से इस लूप को बाएं हाथ से दूर ले जाएं और साथ में बाएं हाथ की उंगलियों को भी खोलें। इस प्रकार बाईं हथेली को खोलने और दाएं हाथ से डोरी के लूप को खींचने से आपको चार मोमबत्तियां दिखाई देंगी।
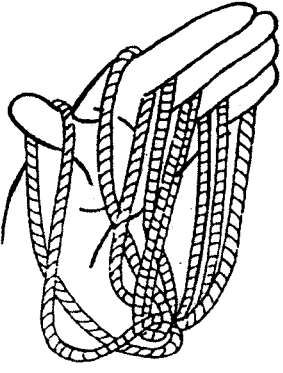
9. जिस लूप को आपने पकड़ा था उसे दाईं तर्जनी उंगली और अंगूठे से बिना मोड़े बाएं अंगूठे में डालें।
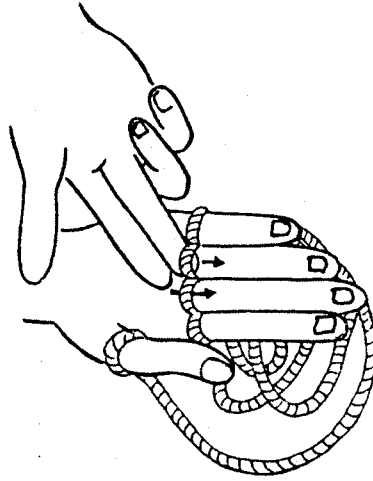
10. अब बाईं हथेली को नीचे और उसकी उंगलियों को दाईं ओर इंगित करें। दाईं मध्यमा और तर्जनी उंगलियों से बाईं मध्यमा और मुद्रिका उंगलियों के छल्लों को पीछे से 'हुक' करें। इस स्थिति में दोनों हाथों के पिछले भाग एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे।
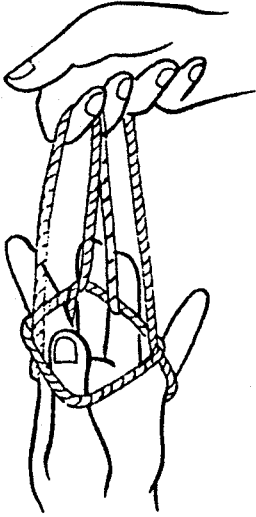
आदमी बहुत थक गया था इसलिए वह कुर्सी पर बैठकर आराम करने लगा और कुछ ही देर में वह सो गया।

11. दाएं हाथ से इन दोनों छल्लों को जितना संभव हो उतना ऊपर खींचें। साथ-साथ बाईं हथेली को अंदर की ओर बंद करें। इससे वह कुर्सी बनेगी जिस पर आदमी आराम करने बैठा था।

जब आदमी उठा तब तक अंधेरा हो चुका था। उसने मोमबत्तियों को काटने के लिए कैंची उठाई जिससे वह उनमें से किसी एक मोमबत्ती को जला सके।
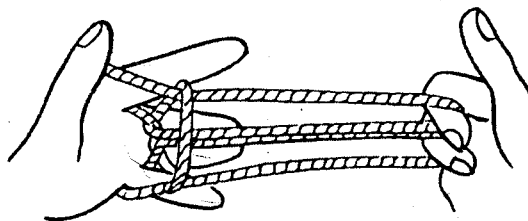
12. बाएं अंगूठे के छल्ले को गिराएं। इससे कैंची बन जाएगी। दाईं तर्जनी और मध्यमा उंगलियों को ऊपर-नीचे करें। इससे कैंची मोमबत्तियों को काटती हुई नजर आएगी।
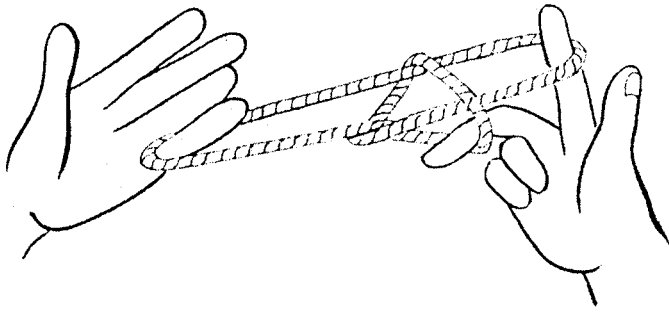
जब आदमी मोमबत्तियों को काट रहा था तभी वहां पर डंडा लेकर एक पुलिसवाला आ धमका। उसने मोमबत्तियां चोरी करने के आरोप में उसे गिरफ्तार कर लिया।

13. बाएं हाथ की तर्जनी उंगली के छल्ले को गिराएं और दोनों हाथों को जितना संभव हो उतना दूर ले जाएं। इस तरह आप पुलिसवाले के लंबे डंडे को देख सकेंगे।
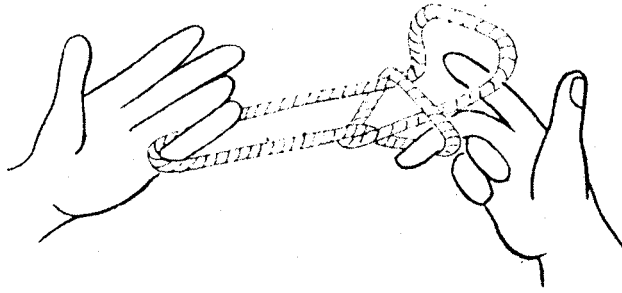
पुलिसवाले ने एक आदमी के हाथों में हथकड़ियां डालीं और फिर उसे जेल की हवा खिलाने ले गया।

14. दाईं तर्जनी उंगली के छल्ले को गिराएं।
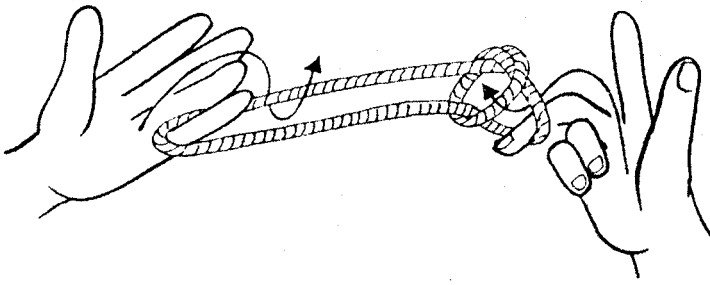
15. अब बाएं हाथ को बाईं छोटी उंगली के छल्ले में डालें और दाएं हाथ को दाईं मध्यमा उंगली के छल्ले में डालें।
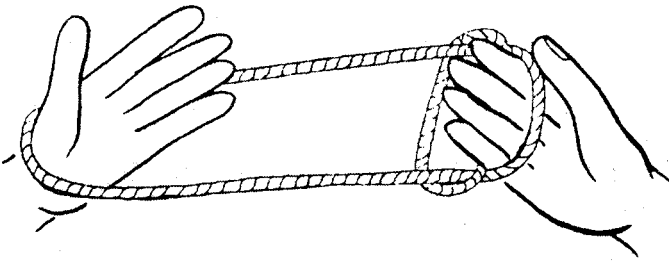
16. अब अपने हाथों को एक-दूसरे से दूर ले जाएं।
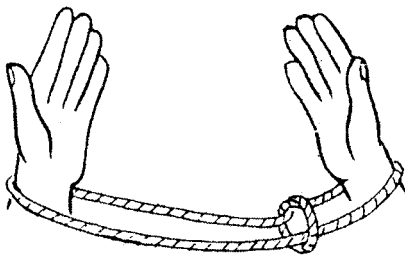
17. अब मोमबत्तियों के चोर की तरह आपके दोनों हाथों में हथकड़ियां पड़ी होंगी!

बिल्ली का पालना

यह डोरी का सबसे लोकप्रिय खेल है। इसे दो लोग आपस में खेलते हैं। 'बिल्ली के पालने' वाला यह खेल शायद चाय के व्यापारियों के साथ एशिया से यूरोप तक पहुंचा होगा। इंग्लैंड में बच्चे 'बिल्ली के पालने' के खेल को 1782 से खेल रहे हैं। हमें इस बारे में इसलिए पता है क्योंकि मशहूर लेखक चार्ल्स लैम्ब ने एक पुस्तक में अपने मित्र के साथ 'बिल्ली का पालना' बनाने का उल्लेख किया है।

इस खेल को खेलने के लिए दो लोग चाहिए। 'बिल्ली के पालने' के खेल में अकसर आपको X (यानी क्रास) के नमूने और सीधी रेखाएं दिखाई देंगी। खेल में एक खिलाड़ी डोरी के नमूने को पकड़ता है जबकि दूसरा साथी सीधी डोरों के बीच से या उनके नीचे से X को उठाता है। बारी-बारी से एक साथी डोरी के नमूने को पकड़ता है और अगले चरण में जाने के लिए दूसरा साथी X को उठाता है।

इस खेल का कोई अंत नहीं है। इसे लगातार खेला जा सकता है। परंतु अगर आप इसे बंद करना चाहते हैं तो आप इसके कई अंत में से किसी एक को चुन सकते हैं। डोरी को उठाने के लिए कई तरीके हो सकते हैं। इसके लिए आप लगातार प्रयोग और प्रयास करते रहें और साथ में खेल का आनंद भी लें।

खेल में नमूनों का क्रम इस प्रकार होगा :
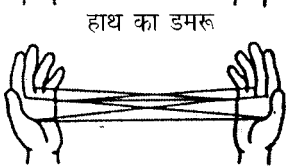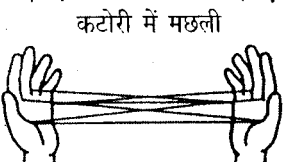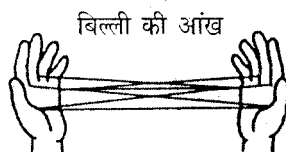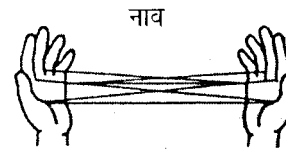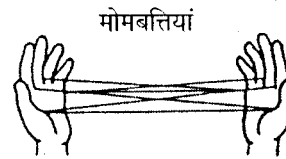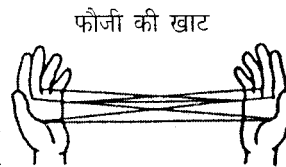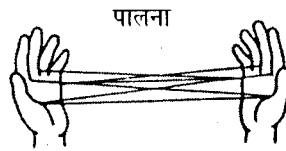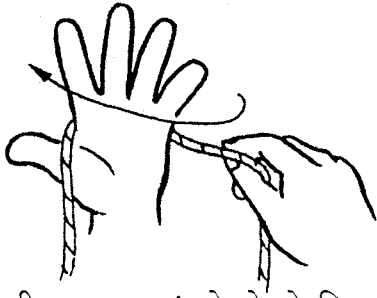
1. 'बिल्ली का पालना' खेलने के लिए आपको एक साथी की जरूरत होगी। जो चाल चलेगा यानी खेल को आगे बढ़ाएगा वह A और उसका साथी B होगा। पहले A डोर को अपने बाएं हाथ की चारों उंगलियों में डालता है।
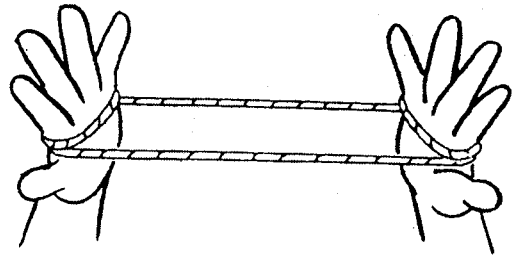
2. फिर चित्र में दिखाए अनुसार A डोर को पकड़ते हुए अपने बाएं हाथ में एक लूप बनाता है। फिर A अपने हाथों को दूर ले जाकर 'मध्यमा उंगली का आधार' बनाता है...
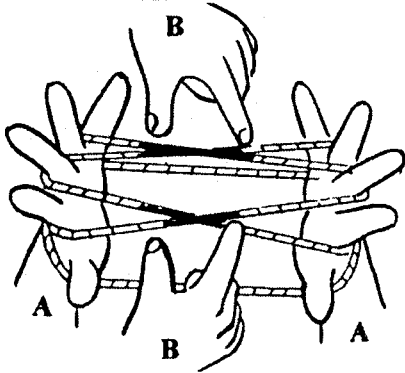
3. 'पालना' बनाने के लिए A अपने दोनों हाथों में पालने को पकड़े रहता है। फिर B दोनों हाथों के अंगूठों और तर्जनी उंगलियों से क्रास (X) डोरों को पकड़ता है। वह अपने हाथों को पालने के दोनों ओर से लाता है।
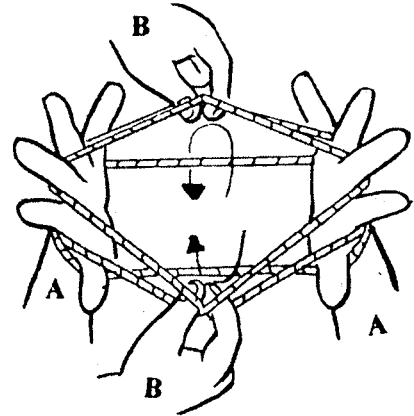
4. B डोरी के क्रास (X) बिंदुओं को पकड़कर उन्हें दोनों सीधी डोरों के नीचे ले जाकर ऊपर उठाता है।
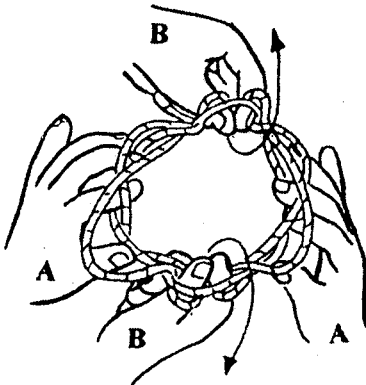
5. एक बार जब B सीधी डोरों को पकड़ता है तब A सारी डोरों को छोड़ देता है।
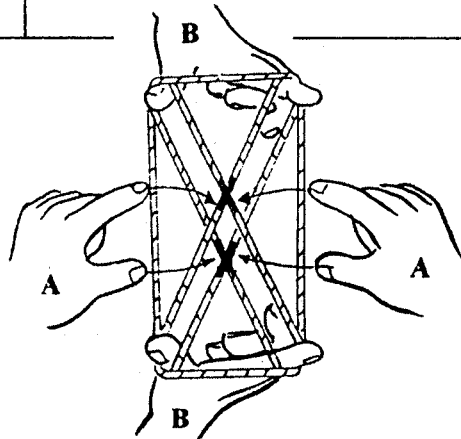
6. तब B अपनी उंगलियों को फैलाकर 'बिल्ली के पालने' का दूसरा नमूना बनाता है जिसे 'फौजी की खाट' के नाम से जाना जाता है। अपने अंगूठों और तर्जनी उंगलियों से A काले क्रास (X) निशानों वाली डोरों को 'फौजी की खाट' के ऊपर से पकड़ता है।
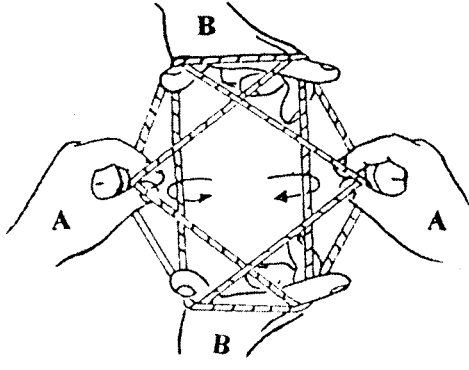
7. उसके बाद A क्रास डोरों को खींचकर उन्हें सीधी डोरों के नीचे से ऊपर को उठाता है।
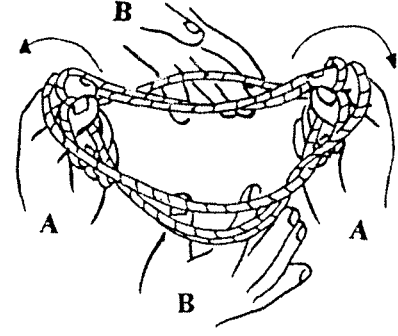
8. अब B सभी डोरों को छोड़ देता है।
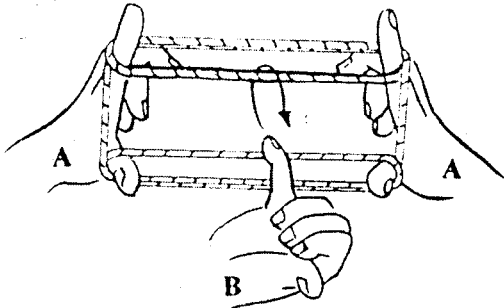
9. A अपने हाथों को खींचता है और 'बिल्ली के पालने' के तीसरे नमूने यानी 'मोमबत्तियां' बनाता है। अब B बाएं हाथ वाली अकेली डोर को ऊपर से अपनी दाईं छोटी उंगली से, मोमबत्तियों को 'हुक' करता है और उसे दाईं ओर खींचता है।
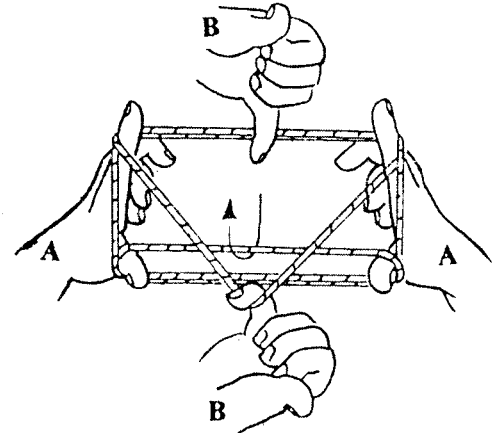
10. फिर B दाईं ओर वाली अकेली डोर को ऊपर से आकर अपनी बाईं छोटी उंगली से 'हुक' करता है और उसे बाईं ओर खींचता है।
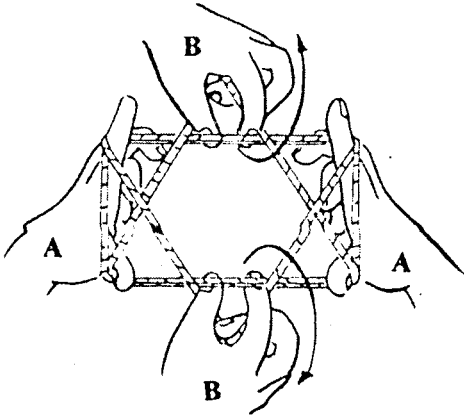
11. B अपनी छोटी उंगलियों की डोरों को पकड़े रहता है और सीधी एवं दोहरी डोरी को अपने अंगूठों और तर्जनी उंगलियों से उठाता है।
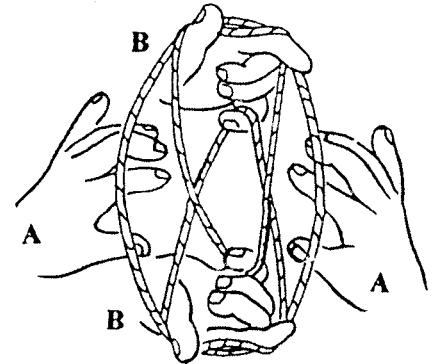
12. अब A सभी डोरों को छोड़ देता है। B अपनी छोटी उंगलियों की डोरों को पकड़ने के साथ-साथ बाकी उंगलियों को फैलाता है...
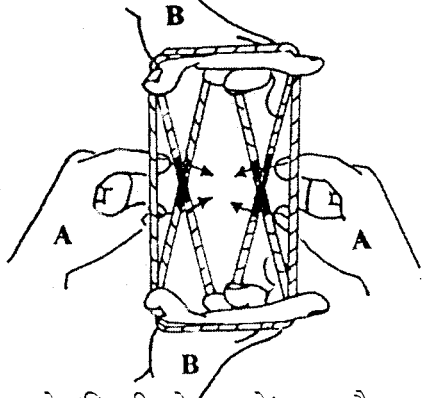
13. इससे 'बिल्ली के पालने' का चौथा नमूना यानी 'नाव' बनती है। अब A क्रास डोरियों को पकड़ता है। वह इसके लिए 'नाव' के दोनों ओर से अंगूठों और तर्जनी उंगलियों का उपयोग करता है।
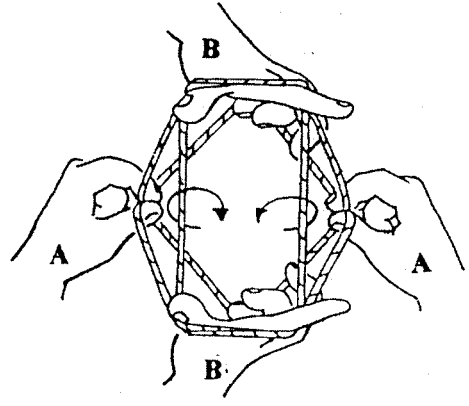
14. A क्रास डोरियों को दोनों सीधी डोरों के ऊपर से होकर खींचता है।
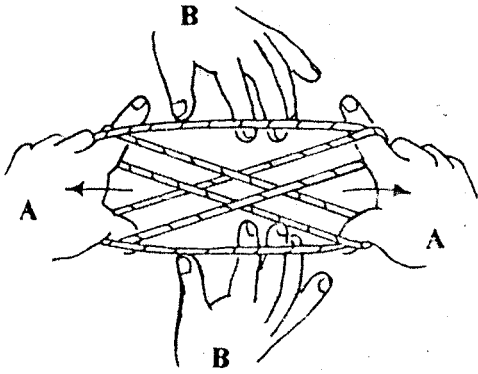
15. वहां A अपने हाथों को एक-दूसरे से दूर ले जाता है। B सभी डोरियों को छोड़ देता है। इससे A फिर से 'फौजी की खाट' पर वापिस आ जाता है।
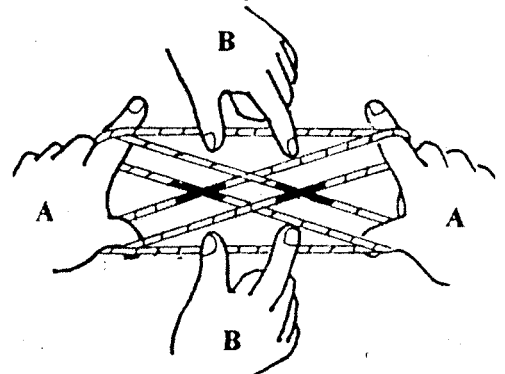
16. अब B अपने दोनों अंगूठों और तर्जनी उंगलियों से क्रास डोरों को 'फौजी की खाट' के ऊपर से पकड़ता है।
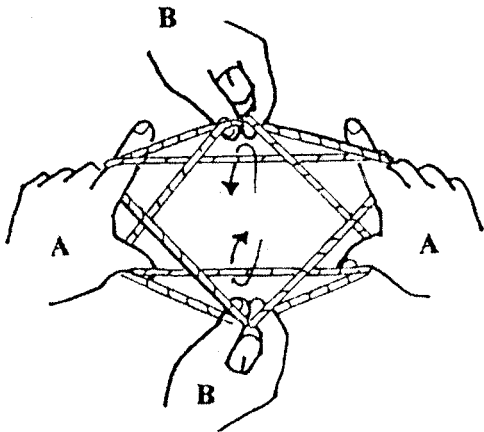
17. B क्रास डोरों को बाहर की ओर खींचता है और फिर उन्हें दोनों सीधी डोरों में से नीचे से ऊपर की ओर उठाता है।
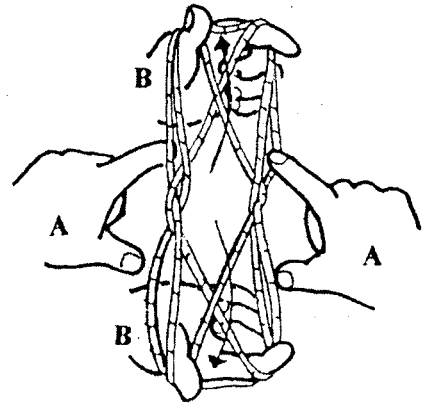
18. अब A सभी डोरों को छोड़ देता है। B अपनी उंगलियों को बाहर की ओर खींचता है। इससे 'बिल्ली के पालने' का पांचवां नमूना यानी 'बिल्ली की आंखें' बनती हैं।
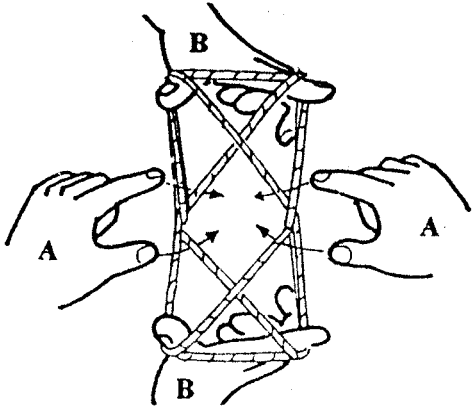
19. A 'बिल्ली की आंखों' के ऊपर से अपने अंगूठों और तर्जनी उंगलियों को त्रिकोणों में डालता है और उन्हें ऊपर की ओर घुमाता है।
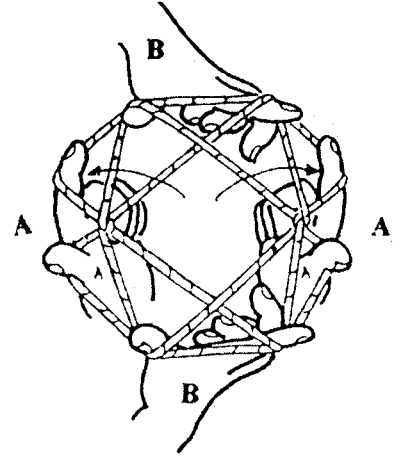
20. यहां पर ऊपर की ओर घुमाने की प्रक्रिया को विस्तार से दिखाया गया है।
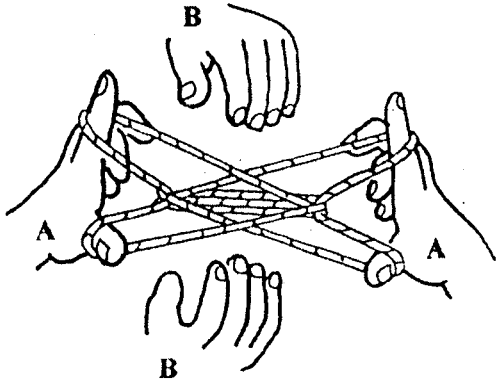
21. B अपने हाथों से सभी डोरों को छोड़ देता है। A अपनी उंगलियों को फैलाता है जिससे 'बिल्ली के पालने' का छठा नमूना 'कटोरी में मछली' बनती है।
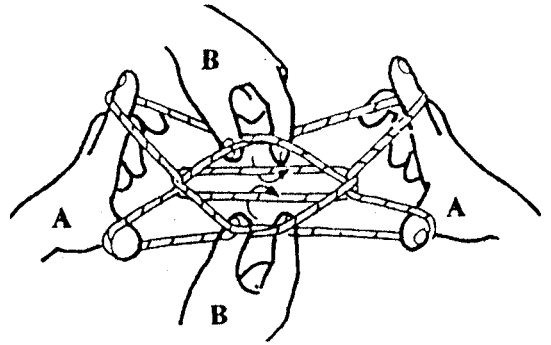
22. B अंगूठों और तर्जनी उंगलियों से क्रास डोरियों को 'कटोरी में मछली' के ऊपर से पकड़ता है। उसके बाद वह अपने अंगूठों और तर्जनी उंगलियों के सिरों को डोरी के नमूने के बीच घुमाकर ऊपर ले जाता है।
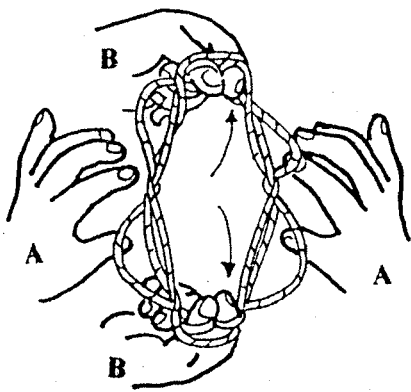
23. A सभी डोरों को छोड़ देता है। B अपनी उंगलियों को खोलता है...
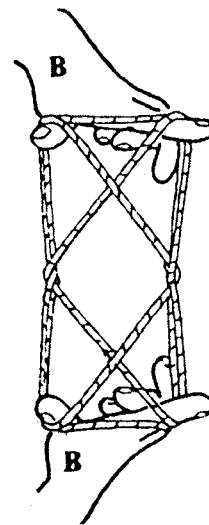
24. ...और एक बार फिर से 'बिल्ली की आंखों' वाले नमूने पर लौटता है।
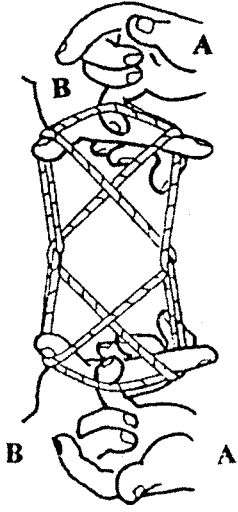
25. A अपनी दोनों छोटी उंगलियों से B के पीछे आकर दोनों सीधी डोरों को 'हुक' करके पकड़ता है।
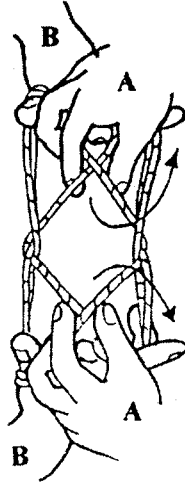
26. A छोटी उंगलियों की डोरों को 'बिल्ली की आंखों' के ऊपर से पकड़े रहता है। फिर वह क्रास डोरियों को दोनों हाथों के अंगूठों और तर्जनी उंगलियों से कसकर दबाता है।
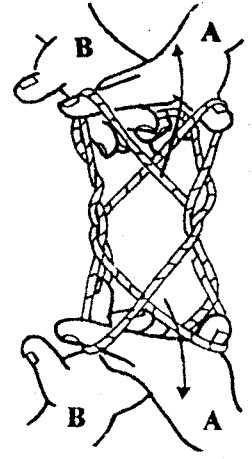
27. B अपनी सारी डोरों को छोड़ देता है। A छोटी उंगली की डोर को पकड़ने के साथ-साथ बाकी उंगलियों को भी फैलाता है।
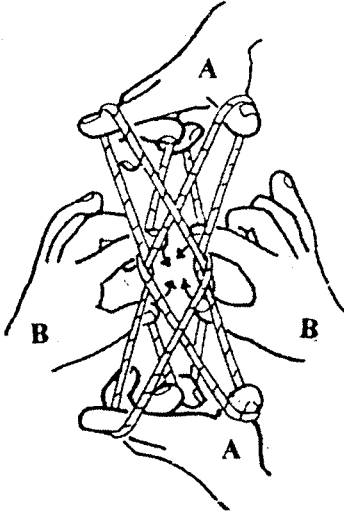
28. इससे 'बिल्ली के पालने' का सातवां नमूना 'हाथ का डमरू' बनता है। B क्रास डोरों को डमरू के दोनों ओर से, अपने अंगूठों और तर्जनी उंगलियों से पकड़ता है।
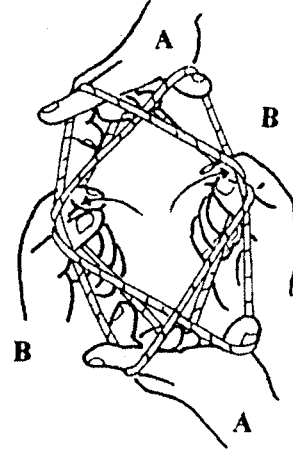
29. फिर B अपने अंगूठों और तर्जनी उंगलियों को डोरी के नमूने के बीच से घुमाकर ऊपर ले जाता है।
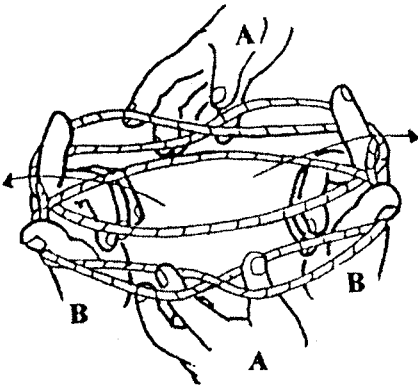
30. A सभी डोरों को छोड़ देता है। B अपनी उंगलियों को फैलाता है और...
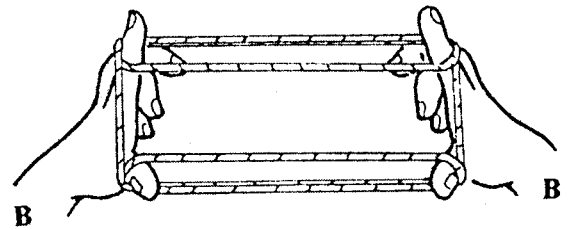
31. ...'मोमबत्तियों' वाले नमूने पर लौटाता है। इस प्रकार A और B दोनों मिलकर लगातार खेल को जारी रख सकते हैं और 'बिल्ली के पालने' के साथ अलग-अलग प्रयोग कर सकते हैं। अगर वे ऐसा करेंगे तो उन्हें जल्द ही कुछ ऐसे नमूने मिलेंगे जिनका वर्णन यहां पर नहीं किया गया है।

संदर्भ पुस्तकें

1. स्ट्रिंग्स गेम्स फॉर बिगनर्स—कैथलीन हैडन (हेफर, यू. के, 1934)
2. फन विद स्ट्रिंग फिगर्स—डब्ल्यू डब्ल्यू राउज बॉल (डोवर पब्लिकेशन, न्यूयॉर्क, 1971)
3. फन विद स्ट्रिंग—जोसेफ लीमिंग (डोवर पब्लिकेशंस, न्यूयॉर्क, 1974)
4. कैट्स क्रेडिल स्ट्रिंग गेम्स—कैमिला ग्राईस्की (बीच ट्री पेपरबैक्स, न्यूयॉर्क, 1983)
5. मैजिकल स्ट्रिंग—स्टीव एंड मेग्यूमी बिडिल (बीवर बुक्स, यू. के., 1990)
6. द वर्ल्ड्स बेस्ट स्ट्रिंग्स गेम्स—जोनमेरी काल्टर (स्टरलिंग, न्यूयॉर्क, 1989)
7. स्ट्रिंग गेम्स—ऍन ऐकर्स जॉनसन (क्लुट्ज, कैलिफोर्निया, यू. एस. ए., 1995)